CIN-No-UT4999RJ2020PTC0679
UN NO-200022186

राजस्थान,दिल्ली,छत्तीसगढ़ से एकसाथ प्रकाशित

RNI NO. RAJHIN/2023/89729

दैनिक मरुधर विशेष

Marudharvishesh@gmail.com

मो. 9653906665

अंक 02/127 | जयपुर | 26 मई /2025 | सोमवार | मूल्य: रु. 5 | पृष्ठ: 04

'मन की बात' में पीएम मोदी ने किया संबोधित

'ऑपरेशन सिंदूर' ने पाकिस्तान को किया बेदम, दुनिया ने देखा भारत का दम

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने अपने रेडियो शो 'मन की बात' के जरिए लोगों से बात की। कार्यक्रम का122वां एपिसोड प्रसारित हुआ। उन्होंने ऑपरेशन सिंदूर, भारतीय सेना के पराक्रम पर बात की। आतंककवाद के खिलाफ भारत की सोच को बताया

कार्यक्रम के122वें एपिसोड में कई मुद्दों को किया उद्धृत, बढ़ते भारत की तस्वीर सामने रखी

एजेंसी ▶▶ नई दिल्ली

पीएम नरेंद्र मोदी ने अपने रेडियो शो 'मन की बात' के जरिए लोगों से बात की। कार्यक्रम का122वां एपिसोड प्रसारित हुआ। पीएम मोदी ने कई मुद्दों पर बात की। इस दौरान उन्होंने ऑपरेशन सिंदूर, भारतीय सेना के पराक्रम पर बात की। उन्होंने कहा कि देश के हर नागरिक ने संकल्प लिया है कि आतंकवाद को खत्म करना ही है। उन्होंने यह भी कहा कि ऑपरेशन सिंदूर सिर्फ एक सैन्य अभियान नहीं है, यह बदलते भारत की तस्वीर है।

हर किसी का पसीना इस विजय में रहा शामिल

पीएम मोदी ने कहा कि हमारे जवानों ने आतंक के अड्डों को तबाह किया, यह उनका अदम्य साहस था और उसमें शामिल थी, भारत में बने हथियारों, उपकरणों और तकनीक की ताकत। उसमें 'आत्मनिर्भर भारत' का संकल्प भी था। हमारे इंजीनियर, हमारे टेक्नीशियन हर किसी का पसीना इस विजय में शामिल है।

सेनाओं के पराक्रम ने हर हिंदुस्तानी का सिर ऊंचा कर दिया

पीएम मोदी ने कहा कि मेरे प्यारे देशवासियो, नमस्कार! आज पूरा देश आतंकवाद के खिलाफ एकजुट है। आक्रोश से भरा हुआ है। संकल्पबद्ध है। आज हर भारतीय का यही संकल्प है, हमें आतंकवाद को खत्म करना ही है। 'ऑपरेशन सिंदूर' के दौरान हमारी सेनाओं ने जो पराक्रम दिखाया है, उसने हर हिंदुस्तानी का सिर ऊंचा कर दिया है। जिस स्पष्टता के साथ, जिस सटीकता के साथ हमारी सेनाओं ने सीमा पार के आतंकवादी ठिकानों को ध्वस्त किया, वो अद्भुत है। 'ऑपरेशन सिंदूर' ने दुनिया-भर में आतंक के खिलाफ लड़ाई को नया विश्वास और उत्साह दिया है।

कई शहरों में तिरंगा यात्राएं निकाली गईं

उन्होंने कहा कि ऑपरेशन सिंदूर सिर्फ एक सैन्य मिशन नहीं है, ये हमारे संकल्प, साहस और बदलते भारत की तस्वीर है और इस तस्वीर ने पूरे देश को देश-भक्ति के भावों से भर दिया है, तिरंगे में रंग दिया है। आपने देखा होगा, देश के कई शहरों में, गावों में, छोटे-छोटे कस्बों में, तिरंगा यात्राएं निकाली गईं। हजारों लोग हाथों में तिरंगा लेकर देश की सेना के प्रति वंदन-अभिनंदन किया।

'ऑपरेशन सिंदूर' ने पूरे देश को प्रभावित किया

पीएम मोदी ने कहा कि सोशल मीडिया पर कविताएं लिखी जा रही थीं, संकल्प गीत गाए जा रहे थे। छोटे-छोटे बच्चे पेंटिंग्स बना रहे थे, जिनमें बड़े संदेश छुपे थे। मैं अभी तीन दिन पहले बीकानेर गया था। वहां बच्चों ने मुझे ऐसी ही एक पेंटिंग भेंट की थी। 'ऑपरेशन सिंदूर' ने देश के लोगों को इतना प्रभावित किया है कि कई परिवारों ने इसे अपने जीवन का हिस्सा बना लिया है।

जीवन जोशी को बताया जीती-जागती प्रेरणा

उन्होंने कहा कि जीवन जोशी, उम्र 65 जीती-जागती प्रेरणा भी हैं। अब सोचिए, जिनके नाम में ही जीवन हो, वो कितनी जीवंतता से भरे होंगे। जीवन जी उत्तराखंड के हल्द्वानी में रहते हैं। बचपन में पोलियो ने उनके पैरों की ताकत छीन ली थी, लेकिन उनके हौसलों बुलंद हैं। चीड़ के पेड़ों की सूखी छाल से सुंदर कलाकृतियां बनाते हैं।

कागज के कचरे से आज स्टार्टअप चल रहे

उन्होंने कहा कि हमारे घरों और दफ्तरों में हर दिन बहुत सारा कागज का कचरा निकलता है। मुझे ये जानकर अच्छा लगा कि भारत के कई स्टार्टअप इस सेक्टर में शानदार काम कर रहे हैं।

कुछ स्कूलों में 'शुगर बोर्ड' भी लगाया जा रहा

पीएम ने कहा कि आपने स्कूलों में ब्लैकबोर्ड तो देखा होगा, लेकिन अब कुछ स्कूलों में 'शुगर बोर्ड' भी लगाया जा रहा है।

खबर संक्षेप

हिमाचल में 1 जून से प्लास्टिक पूरी तरह बैन

शिमला। हिमाचल प्रदेश में 1 जून से सभी तरह के प्लास्टिक पर पाबंदी लग जाएगी। दुकानदार और

व्यावसायिक प्रतिष्ठान में इनका प्रयोग नहीं कर सकेंगे। ये बैग नाइलोन या अन्य प्लास्टिक पदार्थ जैसे पॉली-विनायल-कार्बोहाइड्रेटस पॉलीप्रापाइलीन और पॉली-स्टाइरीन से तैयार होते हैं। प्रदेश के वातावरण में इनके नष्ट नहीं होने के कारण इन परबैन लगाया जा रहा है।

केंद्र की गेहूं खरीद 29.7 मिलियन टन के पार

नई दिल्ली। केंद्र ने अप्रैल से जून तक चलने वाले 2025-26 रबी मार्केटिंग सीजन के दौरान अब तक

29.7 मिलियन टनसे अधिक गेहूं की खरीद की है। आंकड़ों के मुताबिक, 2021-22 सीजन के बाद से यह सबसे अधिक खरीद है। इस साल गेहूं की खरीद पिछले साल की समान अवधि की तुलना में 13.5 प्रतिशत अधिक है। राज्यों में खरीद पूरी होने के करीब है।

ओडिशा के कुलडीहा में 5 शिकारी गिरफ्तार

बालासोर। ओडिशा के कुलडीहा क्षेत्र के एक जंगल से पांच शिकारियों को एक देशी बंदूक,

धनुष और तीर के साथ गिरफ्तार किया गया है। शनिवार को जब शिकारी कथित तौर पर जंगल के अंदर लगाए गए एक ट्रैप कैमरे को चुराने की कोशिश कर रहे थे और उनकी तस्वीरें अन्य कैमरे में कैद हो गईं। ट्रैप कैमरे वन्यजीवों की तस्वीरों को कैद करने के लिए लगाए जाते हैं।

अमृतसर में अकाली नेता की गोली मारकर हत्या

अमृतसर। जंडियाला नगर काउंसिल के अकाली पार्षद हरजिंदर सिंह की रविवार को

दिनदहाड़े गोलियां मारकर हत्या कर दी गई। वारदात में हरजिंदर सिंह को 3गोलियां लगी हैं। मौजूद लोगों ने उन्हें अस्पताल में भर्ती करवाया जहां इलाज के दौरान अकाली नेता की मौत हो गई। पुलिस ने मामला दर्ज कर आरोपियों की तलाश शुरू कर दी है।

एएसआई, एसजेटीए करेंगे पुरी मंदिर को संरक्षित

भुवनेश्वर। पुरी में स्थित श्री जगन्नाथ मंदिर प्रशासन (एसजेटीए) और भारतीय पुरातत्व

सर्वेक्षण ने 12वीं शताब्दी के मंदिर की स्थापत्य विरासत व संरचनात्मक अखंडता को संरक्षित करने सहयोगात्मक पहल की है। एसजेटीए के मुख्य प्रशासक अरबिंद पाढ़ी और एएसआई के महानिदेशक यदुवेंद्र सिंह रावत ने संरक्षण प्रयासों पर चर्चा की।

उत्तर भारत सहित पूरे देश में मौसम का मिजाज बदला

मानसून के आते ही केरल में तूफानी बारिश दिल्ली-उत्तर प्रदेश समेत कई राज्यों में अलर्ट

एजेंसी ▶▶ नई दिल्ली

उत्तर भारत सहित पूरे देश में मौसम का मिजाज बदल चुका है। दिल्ली-एनसीआर सहित कई राज्यों में शनिवार देर रात मूसलाधार बारिश हुई। बारिश की वजह से कई शहरों में जनजीवन अस्त व्यस्त हो गया। आमतौर पर मानसून 1 जून को केरल पहुंचता है, लेकिन इस बार 24 मई को ही मानसून ने राज्य में दस्तक दे दी। मौसम विभाग (आईएमडी) ने केरल के कन्नूर और कासरगोड में रेड अलर्ट और अन्य राज्यों में ऑरेंज अलर्ट जारी किया है। मौसम विभाग ने महाराष्ट्र के कई जिलों के लिए भी रेड अलर्ट जारी किया है। जिन शहरों के लिए रेड अलर्ट जारी किया गया है, वहां भारी बारिश, आंधी और तेज हवाएं चलने की संभावना है। आईएमडी ने बताया कि दक्षिण कोंकण तट के पास अरब सागर में बना गहरा कम दबाव का क्षेत्र शनिवार सुबह 5:30 बजे एक डिप्रेशन में तब्दील हो गया।

केरल में कई शहरों में चेतावनी

मौसम विभाग ने रविवार को कासरगोड, कन्नूर समेत केरल के कई जिलों के लिए रेड अलर्ट भी जारी किया है। तिरुवनंतपुरम, कोल्लम, पथनमथिट्टा, अलाप्पुझा, कोट्टायम, एर्नाकुलम, इडुक्की, त्रिशूर, पलक्कड़, मलप्पुरम, कोझिकोड, वायनाड सहित अन्य जिले अगले 3 दिन के लिए ऑरेंज अलर्ट पर हैं।

रत्नागिरी और सिंधुदुर्ग में भी होगी भारी बारिश

महाराष्ट्र के रत्नागिरी और सिंधुदुर्ग जिलों के लिए आईएमडी ने रेड अलर्ट जारी किया है। पश्चिमी महाराष्ट्र के सतारा और कोल्हापुर भी रेड अलर्ट पर हैं। आईएमडी की वैज्ञानिक शुभांगी ए. भूटे ने कहा कि अवसादन के कारण महाराष्ट्र के कई इलाकों में भारी से बहुत भारी बारिश हुई है। खराब मौसम के कारण मछुआरों को समुद्र में न जाने की चेतावनी दी गई है।

कर्नाटक में गरज-चमक के साथ चलेंगी तेज हवाएं

आईएमडी ने भविष्यवाणी की है कि 24 से 27 मई तक तटीय और दक्षिणी कर्नाटक में भारी से बहुत भारी वर्षा होगी तथा राज्य के उत्तरी भाग में भी तेज बारिश होगी।

दक्षिणी राज्यों में अत्यधिक भारी बारिश की संभावना

आईएमडी के अनुसार अन्य दक्षिणी राज्यों में 26 मई को तमिलनाडु , पुडुचेरी और कराईकल में अत्यधिक भारी बारिश होने की संभावना है। अरुणाचल प्रदेश, असम, मेघालय, नागालैंड, मणिपुर, मिजोरम और त्रिपुरा में 30 मई तक बारिश होने की संभावना है। असम और मेघालय में 29 और 30 मई को बहुत भारी बारिश हो सकती है। मध्य प्रदेश, बिहार , छत्तीसगढ़, झारखंड, ओडिशा और पश्चिम बंगाल के कुछ हिस्सों में गरज और तेज हवाओं के साथ मध्यम बारिश की उम्मीद है । 25 और 26 मई को बिहार में 70 मील प्रति घंटे की रफ्तार से हवा चल सकती है।

समय से 12 दिन पहले महाराष्ट्र पहुंचा मानसून, 3 दिन में पहुंचेगा मुंबई

अब मानसून दक्षिण-पश्चिम मानसून महाराष्ट्र पहुंच गया है। 3 दिनों में मुंबई और कुछ अन्य हिस्सों में पहुंचने की उम्मीद है। यह 7 जून के आसपास महाराष्ट्र और 11 जून को मुंबई पहुंचता है। आईएमडी ने कहा, मुंबई सहित महाराष्ट्र के कुछ और हिस्सों में मानसून के आगे बढ़ने के लिए हालात अनुकूल हैं।

कर्नाटक, गोवा,मणिपुर में दस्तक

भारतीय मौसम विभाग ने रविवार को बताया कि मानसून रविवार को अरब सागर, कर्नाटक, पूरे गोवा, महाराष्ट्र के कुछ हिस्सों, उत्तरी बंगाल की खाड़ी और मिजोरम के कुछ हिस्सों, मणिपुर और नगालैंड के कुछ हिस्सों में पहुंच गया। यहा बेलगावी, हावेरी, मांड्या, धर्मपुरी, चेन्नई, आइजोल, कोहिमा को प्रभावित करेगा।

नवांशहर में आंधी तूफान से सब कुछ उथल पुथल, 200 गांवों में 14 घंटे गुल रही बिजली

काठगढ़। नवांशहर में शनिवार शाम तेज आंधी जोरदार तूफान में बदली, जिसने सब कुछ उथल-पुथल कर दिया और शाम को साढ़े सात बजे के करीब चारों तरफ तूफान के आवाजें आने लगी। लोगों में भी भगदड़ सी मच गई और बिजली को भी बंद कर दिया गया।

दिल्ली एयरपोर्ट पर कैनोपी गिरी

नई दिल्ली। दिल्ली के आईजीआई एयरपोर्ट के टर्मिनल 1 पर भारी बारिश के कारण फोरकोर्ट एरिया की छत का एक हिस्सा ढह गया। भारी बारिश के कारण दिल्ली एयरपोर्ट पर शेड क्षतिग्रस्त होने से यात्रियों को परेशानी हो सकती है। लेकिन इसकी आधिकारिक घोषणा फिलहाल नहीं की गई है।

आरएसएस प्रमुख डॉ.भागवत बोले

हिंदू समाज की एकता से शक्तिशाली बनेगा भारत

अजय्यं च विश्वस्य देहि मे शक्ति

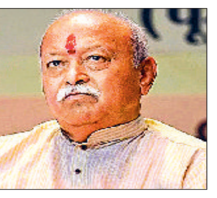

एजेंसी ▶▶ बेंगलुरु

राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ प्रमुख मोहन भागवत ने हिंदू समाज की एकता पर जोर देते हुए कहा है कि भारत को इतना शक्तिशाली बनाया जाए। सैन्य ताकत और आर्थिक रूप से कि दुनिया की कई ताकतें मिलकर भी उसे जीत न सकें। उनका कहना है कि केवल ताकत से कुछ नहीं होगा, बल्कि शक्ति के साथ-साथ सद्गुण और धर्मनिष्ठा भी जरूरी है।

अगर शक्ति के साथ नैतिकता न हो तो वह अंधी ताकत बन सकती है जो हिंसा फैला सकती है। यह बात करीब दो महीने पहले बेंगलुरु में हुई संघ की शीर्ष बैठक (अखिल भारतीय प्रतिनिधि सभा) के बाद ली गई थी। भागवत ने कहा कि हमारी सीमाओं पर बुरी ताकतें लगातार सक्रिय हैं। हमें मजबूरी में ताकतवर बनना पड़ेगा ताकि हम अपनी रक्षा खुद कर सकें। हम दूसरों पर निर्भर नहीं रह सकते। उन्होंने दैनिक संघ प्रार्थना का जिक्र करते हुए कहा कि हम प्रार्थना करते हैं 'अजय्यं च विश्वस्य देहि मे शक्ति' यानी ऐसी शक्ति दो कि हम विश्व में अजेय बनें।

ताकत के साथ धर्म भी जरूरी

उन्होंने साफ किया कि ताकत अकेले काम नहीं आएगी, बल्कि उसे धर्म और सदाचार के साथ जोड़ना होगा। सिर्फ बल हो और कोई दिशा न हो, तो वह हिंसक बन जाता है। इसलिए बल और धर्म दोनों साथ-साथ होने चाहिए। उन्होंने कहा कि जब कोई विकल्प न हो, तो दुष्ट शक्तियों का खात्मा बलपूर्वक करना ही पड़ता है। हम ये ताकत दुनिया पर राज करने के लिए नहीं चाहते, बल्कि इसलिए कि हर कोई शांति, स्वास्थ्य और सम्मान से जी सके।

बांग्लादेश के हिंदुओं का उदाहरण दिया

उन्होंने यह भी कहा कि दुनिया में कहीं भी अगर हिंदुओं पर अत्याचार होता है, तो उनके लिए अंतरराष्ट्रीय नियमों का पालन करते हुए काम किया जाएगा। बांग्लादेश में जब हाल में हिंदुओं पर अत्याचार हुआ, तो भारत में लोगों ने जिस तरह नाराजगी जाहिर की, वह पहले कभी नहीं देखा गया।

'धर्म' का मतलब किसी मजहब से नहीं

भागवत ने कहा कि आने वाले 25 वर्षों में संगठन का संकल्प है पूरे हिंदू समाज को एक करना और भारत को विश्वगुरु बनाना। उन्होंने समाज से आग्रह किया कि वह अपने निजी, पारिवारिक, सामाजिक और व्यावसायिक जीवन में धार्मिक मूल्यों को अपनाए, जो हिंदुत्व से जुड़े हों। अब दुनिया को धार्मिक क्रांति की जरूरत है। उन्होंने स्पष्ट किया कि यहां 'धर्म' से मतलब किसी मजहब से नहीं, बल्कि मानव जीवन को सत्य, पवित्रता, करुणा और तपस्या के आधार पर पुनर्गठित करने से है।

पंजाब समेत 4 राज्यों में उपचुनाव

पांच सीटों के लिए 19 जून को होगी वोटिंग, 23 को नतीजे

एजेंसी ▶▶ नई दिल्ली

चुनाव आयोग ने 4 राज्यों की 5 विधानसभा सीटों के लिए उपचुनाव का ऐलान कर दिया है। मतदान की तारीख 19 जून है। नतीजे 23 जून को आएंगे। निर्वाचन आयोग ने गुजरात, केरल, पंजाब और पश्चिम बंगाल के 5 विधानसभा क्षेत्रों के लिए उपचुनाव की तिथि घोषित कर दी है। जिन सीटों पर चुनाव होने हैं, उनमेंकादी और विसावदर शामिल हैं। केरल की नीलांबुर, पंजाब की लुधियाना और कालीगंज हैं।

नामांकन की आखिरी तारीख 2 जून

चुनाव आयोग के अनुसार जिन सीटों पर उपचुनाव होने हैं, उनके लिए अधिसूचना कल यानी 26 मई को जारी की जाएगी। नामांकन की आखिरी तारीख 2 जून है। नामांकन की जांच 3 जून को की जाएगी। उम्मीदवारों के पास अपने नाम वापस लेने मौका 5 जून तक मिलेगा। इन सीटों पर सभी चुनावी प्रक्रिया 25 जून से पहले पूरी की जानी हैं।

बस से 'मणिपुर' शब्द हटाने का विरोध

राजभवन की घेराबंदी करने जा रहे लोग पुलिस से भिड़े

एजेंसी ▶▶ इंफाल

मणिपुर में रविवार को उस समय तनाव बढ़ गया जब प्रदर्शनकारियों और सुरक्षाबलों के बीच झड़प उस वक्त हुई जब प्रदर्शनकारी राज्य परिवहन की एक बस से 'मणिपुर' शब्द हटाए जाने के विरोध में राजभवन की घेराबंदी करने जा रहे थे। कोऑर्डिनेटिंग कमेटी ऑन मणिपुर इंटेग्रिटी के आह्वान पर बड़ी संख्या में लोग ख्वैराम्बंद बाजार में एकत्र हुए और रैली निकाल कर राजभवन की ओर बढ़ने लगे। सुरक्षाबलों ने उन्हें रोकने की कोशिश की।

सुरक्षाबलों ने आंसू गैस के गोले छोड़े

राजभवन से लगभग 150 मीटर पहले कंगला गेट पर सुरक्षाबलों ने प्रदर्शनकारियों को तितर-बितर करने के लिए आंसू गैस के कई गोले छोड़े। एक अस्पताल अधिकारी ने बताया कि इस झड़प में घायल हुए 5 प्रदर्शनकारियों को अस्पताल में भर्ती कराया गया है।

शाहजहांपुरअस्पताल में गैस रिसी, मरीजों में मची अफरा-तफरी

एजेंसी ▶▶ शाहजहांपुर

यूपी के शाहजहांपुर स्थित राजकीय मेडिकल कॉलेज के ट्रामा सेंटर की ओटी में केमिकल गिरने के बाद गैस फैलने से भगदड़ मच गई। मरीज और तीमारदार सुरक्षित स्थान की ओर भागने लगे। भगदड़ के दौरान एक गंभीर मरीज के मरने की बात सामने आई थी, लेकिन डीएम धर्मेंद्र प्रताप सिंह ने किसी की मौत की बात से इनकार कर दिया है। घटना रविवार शाम करीब साढ़े चार बजे की है। ओटी में उपकरणों को सैनेटाइज किया जा रहा है। इस दौरान फॉर्मलिन केमिकल जमीन में गिरने से गैस पैदा हुई होगी।

सिंहभूम चैंबर ऑफ कॉमर्स एंड इंडस्ट्री के प्लेटिनम जुबली में बोले

लोक सभा अध्यक्ष ने देश के सशस्त्र बलों की प्रतिबद्धता और वीरता की सराहना की

▶▶ नई दिल्ली

राष्ट्रीय सुरक्षा के प्रति भारत के दृढ़ संकल्प और आतंकवाद के विरुद्ध कड़े रुख पर जोर देते हुए, लोक सभा अध्यक्ष ओम बिरला ने भारत के सशस्त्र बलों की प्रतिबद्धता और वीरता की सराहना की। बिरला ने सिंहभूम चैंबर ऑफ कॉमर्स एंड इंडस्ट्री के प्लेटिनम जुबली समारोह में उपस्थित विशिष्ट लोगों को संबोधित करते हुए ये टिप्पणियां कीं। लोक सभा अध्यक्ष के तौर पर झारखंड की अपनी पहली यात्रा पर आए बिरला ने रांची के बिरसा चौक पर भगवान बिरसा मुंडा को श्रद्धासुमन अर्पित किए और बिरसा मुंडा संग्रहालय भी गए ।

बिरला ने झारखंड की धरती को नमन करते हुए कहा कि यह एक ऐसा क्षेत्र है जहां से देश को भगवान बिरसा मुंडा और जमशेदजी टाटा जैसे महानुभाव मिले। उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि आजादी के 100 साल पूरे होने पर वर्ष 2047 तक भारत को विकसित राष्ट्र बनाने का हमारा विजन है और विकसित भारत के विजन को साकार करने के लिए हमें मिलकर काम करना चाहिए तथा प्रौद्योगिकी, प्रतिस्पर्धा और कौशल विकास का उपयोग करना चाहिए जो इस मिशन के लिए बहुत महत्वपूर्ण हैं ।

सिंहभूम चैंबर ऑफ इंडस्ट्री एंड कॉमर्स के लंबे और गौरवशाली इतिहास की सराहना करते हुए, बिरला ने कहा कि चैंबर के संस्थापकों ने एक ऐसे मंच की परिकल्पना की थी, जहां व्यापार जगत से जुड़े प्रमुख व्यक्ति, उद्यमी और उद्योगपति मिलकर विचारों का आदान-प्रदान कर सकें और आने वाली चुनौतियों का सामना कर सकें।

उन्होंने गर्व के साथ कहा कि चैंबर ने दशकों से क्षेत्र और राष्ट्र के आर्थिक और औद्योगिक विकास में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। उन्होंने चैंबर से न केवल एक प्रतिनिधि निकाय के रूप में, बल्कि लोकतांत्रिक संवाद के ऐसे मंच के रूप में कार्य करने का आग्रह किया जहाँ निजी क्षेत्र, सरकार और सिविल सोसाइटी मिलकर भारत के औद्योगिक और आर्थिक विकास की योजना बना सकें। इस अवसर पर रक्षा राज्य मंत्री संजय सेठ, पूर्व मुख्य मंत्री अर्जुन मुंडा और संसद सदस्य बिद्युत बरन महतो और अन्य गणमान्य व्यक्ति भी उपस्थित थे।

पीएम ने राष्ट्रव्यापी जातिगत जनगणना का निर्णय लेकर दूरदर्शी नेतृत्व का दिया परिचय

जातिगत जनगणना से विभिन्न समुदायों की वास्तविकता का होगा सटीक आकलन: सैनी

▶▶ नई दिल्ली

हरियाणा के मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने कहा है कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने राष्ट्रव्यापी जातिगत जनगणना का ऐतिहासिक निर्णय लेकर दूरदर्शी नेतृत्व का परिचय दिया है। यह निर्णय सामाजिक न्याय की दिशा में एक अभूतपूर्व कदम है जो समाज के सबसे वंचित और उपेक्षित वर्गों को उनके अधिकार और अवसर प्रदान करने का मार्ग प्रशस्त करेगा। मुख्यमंत्री ने रविवार को नई दिल्ली में प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की अध्यक्षता में राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (एनडीए) के मुख्यमंत्रियों और उप मुख्यमंत्रियों की बैठक में यह बात कही। इस बैठक में ऑपरेशन

सिंदूर में सशस्त्र बलों के पराक्रम और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के साहसी नेतृत्व की प्रशंसा करते हुए एक प्रस्ताव भी पारित किया गया।

सीएम सैनी ने कहा कि यह कदम वंचित समुदायों की सामाजिक-आर्थिक स्थिति को समझने में मदद करेगा, जिससे उनकी शिक्षा, रोजगार और समग्र प्रगति के लिए लक्षित नीतियां बन सकेंगी। आपका यह प्रयास समाज के हर कोने तक विकास की रोशनी पहुंचाने की अटूट प्रतिबद्धता को दर्शाता है। उन्होंने कहा कि जातिगत जनगणना से विभिन्न समुदायों की वास्तविक स्थिति का सटीक आकलन होगा, जिससे योजनाएं और अधिक प्रभावी होंगी। यह सरकार के विजन का हिस्सा है, जो हर भारतीय को समान अवसर और सम्मान प्रदान करने पर केंद्रित है। सरकार के इस कदम से समाज के सबसे कमजोर तबके का जीवन स्तर ऊंचा उठेगा, जो जन-केंद्रित शासन का एक और उदाहरण है।

सभी का सम्मान करेगी सरकार

मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रधानमंत्री ने लंबे समय से चली आ रही मांग को स्वीकार कर अपनी उदारता और दूरदर्शिता का परिचय दिया। यह कदम सिद्ध करता है कि सरकार सभी के विचारों का सम्मान करती है और देशहित में बड़े निर्णय लेने में सक्षम है और यह नेतृत्व भारत को वैश्विक मंच पर और गौरव दिलाएगा। उन्होंने कहा कि कांग्रेस पार्टी ने लंबे समय तक जातिगत जनगणना के मुद्दे पर केवल राजनीति की, जिसके कारण समाज के वंचित वर्गों को उनके अधिकारों से वंचित रखा गया। इस मुद्दे को बार-बार टालकर और इसे राजनीतिक हथियार के रूप में इस्तेमाल करके, पार्टी ने सामाजिक न्याय की दिशा में न केवल प्रगति को रोका, बल्कि जातिगत आधार पर समाज में विभाजन को भी बढ़ावा दिया।

चिंतन

दुनिया की चौथी अर्थव्यवस्था बनना भारत के लिए गर्व

जिसका इंतजार था, वो खबर आ ही गई। भारत आधिकारिक तौर पर जापान को पीछे छोड़कर दुनिया की चौथी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बन गया है। अब केवल अमेरिका, चीन और जर्मनी भारत से आगे हैं। अगर हम वर्तमान वृद्धि दर बनाए रखने में कामयाब रहते हैं तो 2028 तक भारत जर्मनी की 4.9 ट्रिलियन डॉलर जीडीपी को पीछे छोड़कर दुनिया की तीसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बन जाएगा। भारत की जीडीपी 2027 तक 5 ट्रिलियन डॉलर और 2028 तक 5.58 ट्रिलियन डॉलर तक पहुंचने का अनुमान है। इसके बाद केवल अमेरिका 30.57 ट्रिलियन डॉलर और चीन 19.231 ट्रिलियन डॉलर ही भारत से आगे रहेंगे। नीति आयोग के सीईओ बी.वी. आर सुब्रह्मण्यम ने एक प्रेस कॉन्फ्रेंस में इसकी जानकारी दी। किसी भी देश की अर्थव्यवस्था उसकी विकास दर और आम आदमी के जेब का हिसाब-किताब बताती है। इंटरनेशनल मॉनेटरी फंड यानी आईएमएफ के आंकड़ों के अनुसार, भारत की नॉमिनल जीडीपी 4.187 ट्रिलियन डॉलर तक पहुंच गई है, जो जापान की अनुमानित जीडीपी 4.186 ट्रिलियन डॉलर से थोड़ा ज्यादा है। भारत की यह उपलब्धि मजबूत घरेलू मांग, अनुकूल जनसांख्यिकीय रुझानों और नीतिगत सुधारों के कारण है। भारत की अर्थव्यवस्था 6-7 प्रतिशत की एनुअल ग्रोथ रेट बनाए हुए है। दुनिया की चौथी अर्थव्यवस्था बनना किसी उपलब्धि से कम नहीं है। इससे न केवल देश में रोजगार के संसाधानों में इजाफा होगा बल्कि भारत का अंतरराष्ट्रीय मंचों जैसे जी-20 और आईएमएफ में प्रभाव बढ़ेगा। फॉरेन डायरेक्ट इन्वेस्टमेंट में और वृद्धि होगी, क्योंकि ग्लोबल कंपनियां भारत को एक आकर्षक बाजार के रूप में देख रही हैं। इससे रोजगार के अवसर पैदा होंगे। भारत इस उपलब्धि के बाद ग्लोबल इकोनॉमिक लीडरशिप की दिशा में एक कदम और आगे बढ़ गया है। भारत अगर 2028 तक जर्मनी को पीछे छोड़ देता है तो लीडरशिप और मजबूत होगी। यूएन की रिपोर्ट में भी कहा गया है कि भारत दुनियाभर में सबसे तेज गति से विकास कर रहा है। भारत की अर्थव्यवस्था इस साल न केवल चीन बल्कि अमेरिका और यूरोप को पीछे छोड़ देगी। भारत की अर्थव्यवस्था इस साल 6.3 फीसदी की दर से बढ़ेगी। यह दुनिया की बड़ी अर्थव्यवस्थाओं में सबसे ज्यादा है। चीन की अर्थव्यवस्था 4.6, अमेरिका की 1.6, जापान की 0.7 और यूरोप की 1 प्रतिशत की दर से बढ़ने का अनुमान है। असल में भारत की अर्थव्यवस्था को रफ्तार देने में केंद्र सरकार की अनेक योजनाओं ने खास असर दिखाया है। डिजिटल इंडिया, मेक इन इंडिया और स्टार्टअप इंडिया जैसे कार्यक्रमों ने निवेश को आकर्षित किया और औद्योगिक विकास को बढ़ावा दिया है। युवा आबादी और तकनीकी प्रगति ने वैश्विक मंच पर देश की स्थिति को मज़बूत किया है। यह बात सही है कि हम विकास की लंबी छलांग लगे रहे हैं, लेकिन अभी भी बहुत कुछ ऐसा है जो सोचने पर मजबूर करता है। 2024 के वैश्विक भूख सूचकांक में भारत 105वें स्थान पर रहा, जो दिखाता है कि देश में कुपोषण और भूख अभी भी गंभीर समस्याएं हैं। आय असमानता और बेरोजगारी की दर भी चिंता का विषय बनी हुई है। ऑक्सफैम की एक हालिया रिपोर्ट के अनुसार, भारत में 1 फीसदी सबसे अमीर लोग देश की 50 प्रतिशत से अधिक संपत्ति के मालिक हैं। यह आंकड़ा असमानता की गहरी खाई को दिखाता है। अगर इन तथ्यों पर ध्यान नहीं दिया गया तो विकास की इस रफ्तार का अंतिम छोर पर खड़े आम आदमी को कोई लाभ नहीं होगा।

वट सावित्री व्रत विशेष

श्वेता गोयल

वट की छांव में सौभाग्य और समृद्धि का संकल्प

वट सावित्री व्रत और सोमवती अमावस्या का 26 मई को एक दुर्लभ और अत्यंत पुण्यदायक संयोग बन रहा है। यह योग वर्षों में कभी-कभी बनता है और धार्मिक दृष्टिकोण से अत्यंत महत्वपूर्ण माना गया है। जब अमावस्या सोमवार के दिन पड़ती है तो इसे 'सोमवती अमावस्या' कहा जाता है और ऐसे अवसर को विशेष फलदायी तथा मनोकामना पूर्ति करने वाला माना जाता है। इस दिन का व्रत, पूजा-पाठ और धार्मिक अनुष्ठान न केवल जीवन में सौभाग्य, संतान सुख और समृद्धि लाते हैं बल्कि यह पारिवारिक कल्याण के लिए भी अत्यंत प्रभावशाली होता है। वट सावित्री व्रत और सोमवती अमावस्या का संयोग एक अत्यंत दुर्लभ अवसर है, जिसे श्रद्धा और विधिपूर्वक मनाने से जीवन में सुख, शांति, समृद्धि और सौभाग्य की प्राप्ति होती है। इस दिन किए गए व्रत, पूजा और उपाय अनेक बाधाओं का निवारण करते हैं और जीवन में सकारात्मक ऊर्जा का संचार करते हैं। भारतीय संस्कृति में वट सावित्री व्रत का अत्यंत पावन महत्व है। यह व्रत विवाहित स्त्रियों द्वारा अपने पति की लंबी उम्र, सुख-समृद्धि और दांपत्य जीवन की स्थिरता के लिए किया जाता है। धार्मिक ग्रंथों और पुराणों में इसका उल्लेख विशेष रूप से किया गया है। मान्यता है कि इसी दिन सतयुग में माता सावित्री ने यमराज से अपने पति सत्यवान के प्राण वापस लिए थे। यह व्रत नारी शक्ति, संकल्प और श्रद्धा का प्रतीक बन चुका है। वट वृक्ष, जिसे 'अक्षयवट' भी कहा जाता है, उस अद्भुत स्थल का प्रतीक बन गया है, जहां यह चमत्कारी घटना घटित हुई थी। अतः इस दिन वट वृक्ष की पूजा का विशेष महत्व है। व्रत के दिन महिलाएं प्रातःकाल स्नान करके शुद्ध वस्त्र धारण करती हैं और निर्जल या फलाहार व्रत का संकल्प लेती हैं। वट वृक्ष के नीचे जाकर उसकी पूजा करती हैं, जल अर्पित करती हैं, रोली, चंदन, चावल से तिलक करती हैं और वृक्ष की जड़ों में कच्चा सूत लपेटकर सात बार परिक्रमा करती हैं। यह परिक्रमा हमेशा दक्षिणावर्त दिशा में की जाती है क्योंकि वामावर्त परिक्रमा को अशुभ माना गया है। परिक्रमा करते समय महिलाएं वट सावित्री कथा का श्रवण करती हैं, जिसमें माता सावित्री की तपस्या, उनकी निष्ठा, धैर्य और पतिव्रता धर्म का वर्णन होता है। कथा के माध्यम से यह संदेश दिया जाता है कि नारी संकल्प शक्ति से किसी भी संकट को पार कर सकती है। इस व्रत के दौरान सोलह श्रृंगार करना भी अत्यंत शुभ माना जाता है। यह श्रृंगार न केवल बाह्य सौंदर्य का प्रतीक होता है बल्कि सौभाग्य और मनोकामना पूर्ति का सूचक भी है। महिलाएं सिंदूर, चूड़ियां, बिंदी, मेहंदी, आलता आदि से स्वयं को सजाती हैं और पति के सुख-समृद्धि की कामना करती हैं। श्रृंगार की यह परंपरा इस व्रत को और अधिक आकर्षक बनाती है तथा महिलाओं के मन में एक नवीन ऊर्जा का संचार करती है और यह दिन नारी सशक्तिकरण एवं पारिवारिक जीवन में संतुलन और सौहार्द का प्रतीक बन जाता है। इस बार की विशेषता यह है कि वट सावित्री व्रत सोमवती अमावस्या के दिन पड़ रहा है। सोमवती अमावस्या का योग जब वट सावित्री व्रत के साथ आता है तो इसका महत्व कई गुना बढ़ जाता है। धर्मशास्त्रों के अनुसार सोमवती अमावस्या का व्रत करने से पितृ दोष समाप्त होता है, पितरों को मोक्ष की प्राप्ति होती है और घर में सुख-शांति का वास होता है। धार्मिक मान्यता है कि इस दिन माता लक्ष्मी को पीले रंग की 11 कौड़ियां अर्पित करनी चाहिएं। यदि पीली कौड़ियां न मिलें तो सफेद कौड़ियां हल्दी से रंगकर अर्पित की जा सकती हैं। इस उपाय से धन संबंधित समस्याओं का समाधान होता है और समृद्धि का मार्ग प्रशस्त होता है। इसी प्रकार यदि वैवाहिक जीवन में तनाव है या पति-पत्नी के बीच मनमुटाव बना रहता है तो इस दिन वट वृक्ष के नीचे दीपक जलाकर माता लक्ष्मी की पूजा करें, प्रणम्य मंत्रों का जाप करें और पांच-पांच मीठे नींबू वट वृक्ष को अर्पित करते हुए 11 बार परिक्रमा करें। इस उपाय से वैवाहिक जीवन में सामंजस्य बढ़ता है और पारिवारिक तनाव दूर होता है। यह व्रत नारी सशक्तिकरण और पारिवारिक मूल्यों की पुनर्स्थापना का प्रतीक है। जिस प्रकार सावित्री ने अपने पति के लिए मृत्यु के देवता यमराज से संघर्ष करके उन्हें पुनर्जीवन दिलाया, उसी प्रकार आज की नारी भी अपने परिवार की सुख-समृद्धि के लिए प्रयत्नशील रहती है। यह व्रत स्त्रियों को यह प्रेरणा देता है कि श्रद्धा, संकल्प और निष्ठा से किसी भी कठिन परिस्थिति को बदला जा सकता है। यह दिन महिलाओं को उनकी शक्ति, करुणा और श्रद्धा का पुनः स्मरण कराता है, जिससे वे अपने जीवन में नई ऊर्जा और उत्साह के साथ आगे बढ़ सकें।

(लेखिका शिक्षण क्षेत्र से जुड़ी हैं, ये उनके अपने विचार हैं।)

विजन

चेतस सुखाड़िया

विद्यार्थी परिषद कार्यकर्ता अधिष्ठित जन आंदोलन की तरह विकसित हुआ। हमारे यहां कार्यकर्ता एक सामान्य विद्यार्थी के रूप में आता है, वहीं धीरे-धीरे कार्यकर्ता के स्वरूप में कार्यकर्ता विकास की प्रक्रिया में जुड़ जाता है। कार्यकर्ता विकास का मतलब एक वाक्य में कहा जाए तो कह सकते हैं कि कार्यकर्ता की विवेक बुद्धि का विकास। कार्यकर्ता को सही जीवन दृष्टि प्रदान करना ही कार्य की सफलता है। जाति, भाषा, प्रांत से ऊपर उठकर राष्ट्रीय एकात्मता के लिए विद्यार्थी परिषद ने निरंतर प्रयास किए। परिषद कार्यकर्ताओं ने समरसता के भाव के साथ सामाजिक निष्ठा को परिश्रम पूर्वक व्यवहार में लाकर कईं बार विघटनकारी व जातिवादी शक्तियों को परास्त किया है।

विद्यार्थी परिषद में व्यक्तित्व का निर्माण

विद्यार्थी परिषद के कार्यक्रम, बैठक, अभ्यास मंडल, अभ्यास वर्ग, अधिवेशन यह सब उपक्रम से एक दिशा में चलने वाले कार्यकर्ताओं की श्रृंखला खड़ी होती है जिसके आधार पर लाखों छात्र अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद से जुड़ते हैं। ऐसे ही विद्यार्थी परिषद एक कार्यकर्ता अधिष्ठित जन आंदोलन की तरह विकसित हुआ। हमारे यहां कार्यकर्ता एक सामान्य विद्यार्थी के रूप में आता है, वहीं धीरे-धीरे कार्यकर्ता के स्वरूप में कार्यकर्ता विकास की प्रक्रिया में जुड़ जाता है। कार्यकर्ता विकास का मतलब एक वाक्य में कहा जाए तो कह सकते हैं कि कार्यकर्ता की विवेक बुद्धि का विकास।

कार्यकर्ता को सही जीवन दृष्टि प्रदान करना ही कार्य की सफलता है। अपने प्रमुख कार्यकर्ता को किसी एक कार्यकर्ता ने कहा कि आप दंगा, लड़ाई-झगड़ा, मारपीट या अन्य कोई शारीरिक काम मुझे बताइए परंतु यह कंधे के ऊपर के हिस्से का काम मत बताइये, बहुत तकलीफ होती है। मन में बड़ी अस्वस्थता होती है। प्रमुख कार्यकर्ता ने उस कार्यकर्ता से कहा कि देखो भाई, हमारा काम ही युवा विद्यार्थियों को सामाजिक स्थिति के बारे में अस्वस्थ करने का है, समाज की विषम परिस्थितियों के बारे में उसके मन में पीड़ा उत्पन्न करने का है। सामाजिक वेदना से जोड़ने का है। समाज की परिस्थितियों के बारे में उनके मन में पीड़ा होगी, तभी आगे चलकर सामाजिक उत्थान के किसी ना किसी काम में अपने आप को लगाएगा। आचार्य चाणक्य कहते थे कि जब हम अपने स्वयं की पीड़ा सहते हैं तो हमारा बल बढ़ता है और जब किसी और की पीड़ा सहते हैं तो हमारा आत्मबल बढ़ता है। विद्यार्थी परिषद का कार्य यही है। एक छात्रा कार्यकर्ता से बातचीत करते हुए किसी ने उसको पूछा कि विद्यार्थी परिषद में काम करने से तुम्हें क्या मिला तो उसने कहा पहले भिखारी सामने आता था तो थोड़ा असहज होती थी, घृणा होती थी लेकिन आज मन में प्रश्न उठता है कि इसकी स्थिति ऐसी क्यों है? पहले गंदा बच्चा देखती थी तो मुझे मन में तिरस्कार उत्पन्न होता था। आज उस बच्चे को गोद में उठा सकती हूं, उठाती भी हूं। यह परिवर्तन विद्यार्थी परिषद के कारण हुआ। पिछले दिनों हमने अखिल भारतीय स्तर पर सामाजिक अनुभूति नाम का कार्यक्रम पूरे देशभर में किया। इस कार्यक्रम के द्वारा विद्यार्थी परिषद के हजारों कार्यकर्ताओं ने देश के ग्रामीण व वनांचल क्षेत्र में जाते हुए समाज के विभिन्न वर्गों के लोगों के साथ संवाद करते हुए उनकी समस्या, उनके प्रश्नों, उनके जीवन को समझने का प्रयास किया और साथ ही भारत के जनजीवन को एक सामान्य व्यक्ति के रूप में अनुभव करने का भी प्रयास किया। सबसे बड़ी बात है कि जिस सामाजिक संवेदना की अनुभूति हम हमारे कार्यकर्ताओं को कराना चाहते थे उसमें हम कई हद तक सफल हुए। समाज के प्रति उनके मन में एक संवेदना के भाव के साथ, वास्तव में ऐसे समाज जो पीड़ित, पतित, शोषित व वंचित है और पिछड़े वर्गों के साथ हमारे समाज के जनजाति बंधुओं के साथ स्वाभाविक ही मिलना हुआ, परिचय हुआ।

एक गांव में अपने कार्यकर्ता की एक वृद्ध महिला से मिले दो बेटे में से एक बेटे की एक्सीडेंट में मौत हो गई थी। दूसरे बेटे की शादी हो गयी थी, वह अलग रहता था। आज वह महिला लोगों के कपड़े प्रेस करके अपना गुजारा

चला रही है। बड़े बेटे की विधवा पत्नी बीमा योजना की और विधवा पेंशन के सारे पैसे लेकर घर छोड़कर चली गई थी। उसी बूढ़ी मां ने सर्वे में गए कार्यकर्ताओं को पूछा कि आप इतनी धूप में आए हैं, आप लोगों ने कुछ खाना खाया है या नहीं? अपने कार्यकर्ताओं को उन्होंने खाना खिलाया, जब उनके घर की स्थिति व गरीबी देखकर एक रोटी खाकर वह कार्यकर्ता खड़े हो रहे थे तो बूढ़ी मां ने जबरदस्ती उनको बिठाकर ठीक से भोजन करवाया और कहा कि आप आराम से भोजन करो, मैं किसी आशा अपेक्षा से आपको यह भोजन नहीं करवा रही हूँ। ऐसे ही सामाजिक अनुभूति के दौरान एक और अनुभव - एक गांव में अपने ही बेटे ने अपनी बूढ़ी मां को घर के बाहर निकाल दिया था। आज भी वह बूढ़ी मां गांव के चौराहे के पास एक टूटी -फूटी झोपड़ी में रहती है और भीख मांग कर अपना जीवन यापन करती है। ग्रामीण सर्वे के दौरान अपनी एक छात्रा कार्यकर्ता उनको मिलने के लिए गई तब अपनी आपबीती सुनाते हुए वह वृद्ध मां कईं समय तक रोती रही, अपने पास पर्स में रखे हुए कुछ पैसे लेने के लिए जब अपनी छात्रा कार्यकर्ता ने उन्हें आग्रह किया तो बड़े ही आग्रह के बाद उन्होंने उसे स्वीकृत किया। छात्रा कार्यकर्ताओं को अपने मन से भरपूर आशीर्वाद दिया और कहां कि तुम मेरी इस छोटी सी टूटी-फूटी कुटिया में आई तेरा और मेरा कोई भी संबंध नहीं है, न कोई परिचय है, न खून का कोई रिश्ता है फिर भी मेरी वेदना को आपने समझा। अनुभूति के दौरान ऐसे ही कई अनुभवों के कारण अपनी एक छात्रा कार्यकर्ता जिसकी पॉकेट मनी करीबन 4000 रुपये मासिक थी और मां को समझा-बुझाकर जो मिल जाते थे वह अलग। ऐसी छात्रा ने जब सामाजिक अनुभूति में गांव की व्यवस्था देखी, गांव की शिक्षा देखी, गांव के बच्चे देखे, गांव में चल रही नशावृत्ति देखी तो व्यथित हो गई। मेरे देश में, मेरे शहर के नजदीक के किसी एक गांव में ऐसी स्थिति है तो दूरदराज क्षेत्र में रहने वाले लोगों की स्थिति क्या होगी? उसी समय मन ही मन उस छात्रा ने संकल्प लिया कि अपनी पॉकेट मनी से कम से कम 50 प्रतिशत इन गरीब, पीड़ित, शोषित लोगों के बीच में कार्य करने के लिए, उनके उत्थान के लिए, उनके विकास के लिए खर्च करूंगी और आज वह कार्यकर्ता उस दिशा में कार्यरत भी है। विद्यार्थी परिषद का कार्य ही विजन देने का है। विद्यार्थी कार्यकर्ताओं के विजन को व्यापक बनाने का है। मित्रों, विद्यार्थी परिषद में हमें सामूहिक रूप से और व्यक्तिगत रूप से विजन तो मिलता ही है और वही विजन हमारे अंदर संक्रमित होते हुए हमारा मिशन बनता है, जिसके आधार पर हमारा वर्तन और व्यवहार और एक्शन बनता है। वास्तव में हमारे विजन को संतुलित करने का प्रयास विद्यार्थी परिषद में होता है। ऐसा हम सभी अनुभव करते होंगे। महिला विषयक दृष्टिकोण आज भी सहज रूप से समानता का नहीं है। 1990 के दशक में देश में आरक्षण विरोधी आंदोलन से माहौल बिगड़ रहा था। परिषद ने सामंजस्य बनाने का आह्वान किया। उस समय प्रमुख नेताओं ने कहा कि यह आंदोलन काफी प्रयास के बाद बढ़ नहीं पाया। विद्यार्थी परिषद में हमने छात्र-छात्रा कार्यकर्ता को समान समझा। एक अधिवेशन में एक महिला पत्रकार ने कहा कि छात्र संगठनों में छात्राओं का सबसे ज्यादा सहभाग विद्यार्थी परिषद में ही है, हमारा महिला विषयक दृष्टिकोण यह सम्यक है। परिषद में हर स्तर पर छात्राओं को बड़ी संख्या में तथा महत्वपूर्ण दायित्वों पर सहभागी करते हुए सामाजिक जीवन मे अनुकरणीय उदाहरण प्रस्तुत किया है। जाति, भाषा, प्रांत से ऊपर उठकर राष्ट्रीय एकात्मता के लिए विद्यार्थी परिषद ने निरंतर प्रयास किए। परिषद कार्यकर्ताओं ने समरसता के भाव के साथ अपनी सामाजिक निष्ठा को परिश्रम पूर्वक व्यवहार में लाकर कईं बार ऐसे विघटनकारी व जातिवादी शक्तियों को परास्त किया है।

ज्ञान का अभिषेक

संकलित

दर्शन

अखिल ब्रह्मांड ईश्वर का स्वरूप है। श्रावण मास में बरस रही जलधारा ही ऐसी प्रतीत होती है मानो प्रकृति इस धरा का अभिषेक कर रही है। प्रकृति के इसी कृत्य का अनुकरण हम मानव भी करते हैं। श्रावण मास में हम भी शिवलिंग पर जल चढ़ा कर अपने आपको ईश्वर के उसी कृत्य के साथ जोड़ लेते हैं। ईश्वर अथवा प्रकृति के गुणों को अपनाना सदाचार है। श्रावण मास हमें यह अवसर देता है। जल जीवन है और यह धरती को पुनर्जीवित करता है। वर्षा से प्रकृति पनपती है। तपती हुई धरती पर जब वर्षा होती है तो उसे शीतलता का आभास होता है। वनस्पतियां उगने लगती हैं। पेड़ों पर नए पत्ते लगने लगते हैं। जैसे श्रावण में लोगों को गर्मी से राहत मिलती है, वैसे ही ज्ञान के श्रवण से मन को पीड़ा और बेचैनी से राहत मिलती है। श्रावण में लोग एकत्रित होकर ज्ञान-श्रवण करते हैं। दिव्य कथाएं सुनते हैं। ईश्वर का गुणगान करते हैं, जिससे उन्हें संतोष प्राप्त होता है। जब मन पर ज्ञान का अभिषेक होता है, तो मन शांत और शीतल हो जाता है। श्रावण को सबसे पवित्र महीना माना जाता है, क्योंकि यह अनेक धार्मिक उत्सवों और पर्वों को अपने साथ लाता है। हिंदू कैलेंडर में श्रावण मास भगवान शिव को समर्पित है। शिव परिवर्तन के लिए उत्तरदायी ऊर्जा हैं। शिव जीवन के मार्ग की बाधाओं को दूर करने वाले हैं। वह पुरातन को विनष्ट कर नूतन के लिए मार्ग प्रशस्त करते हैं। शिव कल्याणकारी हैं। शिव कैलाश पर्वत पर निवास करते हैं। कैलाश का अर्थ ही है कि जहां केवल उत्सव हो, केवल आनंद हो।

समस्याएं तो आती रहेंगी, हमें रुकना नहीं चाहिए

संकलित

प्रेरणा

एक व्यक्ति बहुत दुखी था। उसके पिता की मृत्यु हो चुकी थी, पूरे घर की जिम्मेदारी उस पर आ गई थी। बहुत मेहनत करने के बाद भी उसकी समस्याएं खत्म नहीं हो रही थीं। वह निराश रहने लगा था। एक दिन उस व्यक्ति को एक विद्वान संत मिले। व्यक्ति ने संत से कहा कि मैं बहुत परेशान हो गया हूं। मुझे अपना शिष्य बना लीजिए।संत ने कहा कि ठीक है, तुम शिष्य बन जाना, लेकिन पहले अपनी परेशानी बताओ। शिष्य ने कहा कि गुरु जी मेरे जीवन में एक समस्या खत्म नहीं होती है और उससे पहले ही दूसरी सामने आ जाती है। इस कारण मैं बहुत दुखी हूं। किसी भी काम में सफलता नहीं मिल पाती है, घर की भी समस्याएं बनी रहती हैं। गुरु ने कहा कि तुम मेरे साथ चलो। वह व्यक्ति संत के साथ चल दिया। कुछ देर में संत और शिष्य पास की नदी के किनारे पहुंच गए। किनारे पर पहुंचकर गुरु ने कहा कि हमें ये नदी पार करनी है। इतना कहकर संत किनारे पर ही खड़े हो गए। शिष्य भी गुरु के साथ खड़ा रहा। कुछ देर बाद शिष्य ने कहा कि हमें नदी पार करनी है तो हम यहां क्यों खड़े हैं? गुरु ने कहा कि हम इस नदी के सूखने का इंतजार कर रहे हैं, जब ये सूख जाएगी, हम इसे आसानी से पार कर लेंगे। ये बात सुनकर शिष्य बहुत हैरान हो गया। वह बोला कि गुरु जी ये कैसी बात कर रहे हैं? नदी का पानी कैसे और कब सूखेगा। हमें नदी को इसी समय पार करनी होगी। संत ने कहा कि मैं तुम्हें यही बात समझाना चाहता हूं। जीवन में भी समस्याएं आती-जाती रहेंगी। हमें सकारात्मक रहना चाहिए।

सामरिया में 151 कुंडिय श्री रुद्र महायज्ञ,तीन मंदिरों की शिखर मूर्ति प्राण प्रतिष्ठा सर्व सनातन हिंदू आदिवासी समाज करेगा

प्रतिष्ठा महोत्सव में बड़े उत्साह के साथ हिंदू आदिवासी समाज बड़ी संख्या में यजमान बनकर बढ़ चढ़कर हिस्सा ले रहे हे

11000 गंगाजल कलशों से भव्य शोभायात्रा निकाली जाएगी

मरुधर विशेष

अरुण जोशी ब्यूरो चीफ बांसवाड़ा बडोदियाः आयोजन समिति के अध्यक्ष बापूलाल मईडा ने बताया कि सामरिया,प्रतापनगर, गाऊवा,बारह पाडा सर्व सनातन हिंदू जनजाति समाज द्वारा 5 जून से 7 जून तक आयोजित होने वाले विशाल धार्मिक अनुष्ठान 151 कुंडिय श्री रुद्र महायज्ञ एवं श्री भुवनेश्वर महादेव, हनुमान, सामदा माताजी मंदिर के शिखर,मूर्ति कीर्ति स्तंभ, ध्वजदण्ड, घंटा, गदा, श्रीयंत्र, श्रृंगार व महापूजा प्रतिष्ठा में बड़े उत्साह के साथ हिंदू आदिवासी समाज बड़ी संख्या में यजमान बनकर धार्मिक अनुष्ठान में बढ़ चढ़कर हिस्सा ले रहे हे। इस विराट आयोजन के संरक्षक संयोजक डॉ.स्वामी विवेकानंद महाराज बड़ोदिया ने बताया कि संत मावजी महाराज के आशीर्वाद ,भक्ति आंदोलन के संवाहक गोविंद गुरु महाराज की प्रेरणा से ओर मामा बालेश्वर दयाल के द्वारा जगाई सनातन हिंदू धर्म ,संस्कृति की अलख ओर अनुकम्पा से पांडवों की भ्रमण स्थली सामरिया गांव में धर्म ध्वजा की पताका लहराते हुए सम्पूर्ण अनुष्ठान हिंदू आदिवासी समाज द्वारा सम्पन्न किया जाएगा जिसमें भुवनेश्वर महादेव मंदिर के मुख्य शिखर के यजमान महेंद्र भगोरा, मंडप शिखर1 मणिलाल डोडियार,मंडप शिखर 2 कांतिलाल रावत,कीर्ति स्तंभ बापूलाल मईडा,ध्वज दंड मोहनलाल हाडा,पार्वती माता मूर्ति नंदलाल भगोरा, गणपति मूर्ति दिलीप मईडा, कार्तिकेय मूर्ति विजयपाल डोडियार,नंदी महाराज सीता शांतिलाल मईडा, कच्छप देव मूर्ति नारायण मईडा, घंटा स्थापना सतीश पारगी, रुद्र राजोपचार पूजा लालूराम मईडा हनुमान मंदिर के मुख्य शिखर के यजमान रमेश मईडा,कीर्ति स्तंभ व ध्वज दंड भूरालाल मईडा, अभिषेक, वागा,महापूजा मोतीलाल डोडियार,घंटा स्थापना मानसिंह मईडा, गदा स्थापना भीमसिंह सुरावत सामदा माताजी मंदिर के मुख्य शिखर के यजमान भाणुनाथ मकवाना, सामदा माताजी मूर्ति लालशंकर मईडा, कीर्ति स्तंभ एवं ध्वज दंड गोविंद गणावा,भैरवजी मूर्ति मणिलाल हाड़ा, श्री यंत्र स्थापना कालूराम मईडा,श्रृंगार व महापूजा विनोद मकवाना, घंटा स्थापना सुनील सारेल रहेंगे इसी श्रृंखला में 151 कुंडिय प्रमुख 9 कुंडो के यजमान में 1. प्रधान चतुरस्त्र कुण्ड बहादुर चरपोटा,2. पदम कुण्ड छगनलाल मईडा,3.वर्तुल कुण्ड कमलेश मईडा,4.योनि कुण्ड रामचंद्र सुरवात,5.चतरस्त्र कुण्ड कन्हैयालाल मकवाना 6.त्रिकोण कुण्ड सोहनलाल सुरवात 7.षटकोण कुण्ड सुखलाल हेलोत,8.अष्टास्त्र कुण्ड धीरजी पारगी, धनुष कुण्ड प्रतापसिंह चरपोटा सहित शेष सभी 142 कुण्ड पर आदिवासी हिंदू समाज के यजमान बैठेंगे 11000 गंगाजल कलश यात्रा के मुख्य कलश के यजमान भूरी देवी केला भाई मईडा रहेंगे। भोजन प्रसाद के भामाशाह हितेश कलाल सुरवानिया ,राजिया जीवाजी मईडा,लक्ष्मण राजिया मईडा सामरिया, अर्जुनसिंह बामनिया विधायक बांसवाड़ा ,जीवनलाल गणावा सरपंच प्रतापनगर सामरिया एवं एक गुप्तदान में रहेंगे इस विराट आयोजन में पूज्य संत महंतो का भी आशीर्वाद सानिध्य प्राप्त होगा जिसमें महामंडलेश्वर ईश्वरानंद ध्यान योगी उत्तम स्वामी जी महाराज, बेणेश्वर पीठाधीश्वर गोस्वामी अच्युतानंद महाराज, महामंडलेश्वर लालीवाव मठ हरिओम शरणदास महाराज, गौ संत रघुवीर दास जी महाराज द्वारकाधीश गोशाला तलवाड़ा, संत राम प्रकाश जी महाराज बड़ा रामद्वारा बांसवाड़ा, महंत घनश्यामदास जी महाराज गुरु आश्रम छीच, संत रामस्वरूप महाराज भारत माता मंदिर बांसवाड़ा, महंत रूपाजी महाराज हरि मंदिर रामद्वारा बड़ोदिया, संत रामगिरी महाराज, घोटिया आंबा धाम, नरसिंग गिरी महाराज रामधाम कुशलगढ़, कमलगिरि महाराज नीलकंठ महादेव सागडोद ,मानगढ़ धाम के महंत रहेंगे। सम्पूर्ण अनुष्ठान के आचार्य नरेंद्र आचार्य छीच रहेंगे आयोजन में सर्वोपदृष्टा सूर्यकांत दवे छीच रहेंगे मार्गदर्शन मंडल में विनोद पानेरी , कृष्णकांत द्विवेदी, कल्याण मुखिया ,ललित द्विवेदी,लालशंकर मईडा,कांतिलाल रावत, लक्ष्मण राजिया मईडा, जीवनलाल गणावा, मानसिंह मईडा ,बापूलाल मईडा, नंदलाल भगोरा,बहादुर चरपोटा,मणिलाल डोडियार,धनजी डोडियार, वागुनाथ निनामा ,भाणजी नाथ मकवाना,हिरानाथ मकवाना , भैरा रावत, नागजी भगोरा, नवला भगोरा, रंगजी पारगी, मगनलाल डोडियार, बारजी मईडा, नागजी मईडा, भूरालाल जी मईडा, नारायणलाल मईडा,मानसिंह हाडा, सुनील सारेल , माणु मकवाना, हीरा मकवाना, लसू मकवाना कांजी मईडा, प्रभुलाल मईडा लालू मईडा, गौतमलाल मईडा, महेंद्र जी भगोरा,भीमसिंह सुरावत,मोतीलाल डोडियार ,धीरजी पारगी, कालू मईडा ,रामजी मईडा के साथ समस्त बारह पाडो के पंच महानुभाव एवं ग्रामवासी रहेंगे । इसी के साथ विनोद पानेरी बड़ोदिया के मार्गदर्शन में यज्ञमंडप का कार्य प्रारंभ कर दिया गया हे।

भारतीय जनता पार्टी नगर मंडल भीनमाल के कार्यकर्ताओं ने सुनी मन की बात

मरुधर विशेष

भीनमाल (सतीश सुन्देशा)। भारतीय जनता पार्टी प्रदेश नेतृत्व व जिलाध्यक्ष जसराज राजपुरोहित, जालौर जिला संगठन प्रभारी महेंद्र बोहरा एवं पूर्व विधायक पूराराम चौधरी के निर्देशानुसार भारतीय जनता पार्टी नगर मंडल भीनमाल द्वारा भाजपा भीनमाल नगर अध्यक्ष प्रवीण एम दवे के नेतृत्व में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा प्रसारित कार्यक्रम मन की बात का 122 वां संस्करण कार्यक्रम नीलकंठ महादेव मंदिर प्रांगण में भाजपा कार्यकर्ताओं के साथ सुना ।प्रधानमंत्री मोदी ने कहा कि आज पुरा देश आंतकवाद के खिलाफ एकजुट है आक्रोश से भरा हुआ है संकल्पबद्ध है। आज हर भारतीय का यही संकल्प है हमे आंतकवाद को खत्म करना ही है ।आपरेशन सिंदूर के दौरान हमारी सैनाओ ने जो पराक्रम दिखाया है उससे हर हिन्दुस्तानी का सिर ऊंचा कर दिया है जिस सटीकता के साथ सीमा पार आंतकवादी ठिकानों को ध्वस्त किया वो अद्भुत है आपरेशन सिंदूर ने दुनियाभर में आंतकवाद के खिलाफ लडाई को नया विश्वास दिया है ।आपरेशन सिंदूर यह एक सिर्फ सैनिय मिशन ही नही बल्कि यह हमारे साहस व बदलते भारत की तस्वीर है ।इस अवसर पर जिलाध्यक्ष जसराज राजपुरोहित, पूर्व विधायक पुराराम चौधरी, महिला मोर्चा जिलाध्यक्ष मंजु सोलंकी ,नगर अध्यक्ष प्रवीण एम दवे,पूर्व नगर अध्यक्ष महेन्द्र सोलंकी, भाजपा वरिष्ठ शेखर व्यास,,महादेवाराम घांची, विकास सोलंकी,विक्रमसिंह ईराणी,राजा शर्मा, वालाराम घांची, कुलदीप याज्ञी, सुरेश वोरा,भरत महेश्वरी, हकसिंह राव,जानकीदास वैष्णव,मोहन सुथार,हिरलाल चौधरी,क्रिश चौधरी, धनसिंह,चन्दनसिंह सहित कई भाजपा कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

यूनिसेफ एवं एलायंस ऑफ कमन्यूटी रेडियो राजस्थान के संयुक्त तत्वावधान में कार्यशाला का आयोजन

जलवायु परिवर्तन के दुष्प्रभावों को रोकने तथा उसके लिए सामुदायिक जागृति में युवाओं की अहम भूमिका - रुषभ हिमान

मरुधर विशेष

हनुमानगढ़, (प्रभु राम) जलवायु परिवर्तन के दुष्प्रभावों के रोकने तथा उसके लिए सामुदायिक जागृति में युवाओं की अहम भूमिका है। यह बात राजस्थान में चीफ ऑफ यूनिसेफ रुषभ हिमानी ने जयपुर में बृहस्पतिवार को यूनिसेफ एवं एलायंस ऑफ कमन्यूटी रेडियो राजस्थान के संयुक्त तत्वाधान में वर्ष भर राजस्थान के सामुदायिक रेडियों के साथ चयनित "स्वेच्छिक कार्यकर्त्तों" एव राजस्थान के सामुदायिक रेडियों के प्रतिनिधियों के साथ आयोजित कार्यशाला में कही। यूनिसेफ ने इस वर्ष सामुदायिक रेडियों के साथ जलवायु परिवर्तन के दुष्प्रभावों तथा उसने रोकने के रेडियो कार्यक्रमों के साथ कुछ विशिष्ट प्रायोगिक कार्यों के निष्पादन के लिए राजस्थान से 21 युवाओं को चयनित किया था। जिस में से संगरिया के सामुदायिक रेडियों "चेतना रेडियो" के साथ इस क्षेत्र के पांच युवाओं ने कार्य किया। इन में संगरिया के अमित्योदय बेनीवाल, हनुमानगढ़ के अक्षित चौधरी, सालीवाला से आदित्य, सादुलशहर से निशुरानी, गांव बख्तावर वाली ढाणी से खुशप्रीत सिंह थे। इन सभी ने अपने द्वारा किए गए प्रायोगिक कार्य तथा जलवायु परिवर्तन पर समुदाय के साथ अपने अनुभवों को राजस्थान में चीफ ऑफ यूनिसेफ रुषभ हिमानी, यूनिसेफ की राजस्थान की निदेशक मंजरी पंत तथा अन्य अधिकारियों के समक्ष साँझा किया। इस अवसर पर स्वेच्छिक कार्यकर्त्तों की

उपलब्धियों पर आधारित पुस्तक का विमोचन किया गया। इस अवसर पर राजस्थान युवा बोर्ड के सचिव कैलाश चन्द्र पहाड़िया ने युवाओं के लिए भारत सरकार तथा राजस्थान युवा बोर्ड के लिए चलाई जा रही योजनाओं से अवगत करवाते हुए युवाओं को इन कार्यक्रम से जुडने तथा उनका लाभ लेकर समाज का अगुवा बनने की बात कही। इस अवसर पर आईसीडीएस, राजस्थान सरकार की उप निदेशक अनुपमा टेलर ने सरकार की योजनाओं तथा उनके प्रचार एवं प्रसार में सामुदायिक रेडियो की भूमिका पर प्रकाश डाला। कार्यशाला का संचालन चेतना रेडियो के निदेशक एवं सचिव संजय आर्य तथा वागधा रेडियो बांसवाड़ा की मधु सिंह ने किया। कार्यक्रम एलायंस कमन्यूटी रेडियोज राजस्थान के संयोजक जयेश जोशी, रेडियो राजस्थान के कुलदीप शर्मा व कविश, एफ एम झूझनू के राजन चौधरी व विकास चौधरी, झुंझुनू की आवाज के राजेश अग्रवाल, किसान वाणी की विभा शर्मा, रेडियो जेजेटी मंजरी , रेडियो मस्ती के जसविन्द्र बल, रेडियो गिनी अमृत शर्मा, रेडियो भिवाड़ी तामील खान, रेडियो भिवाडी के आसिफ खान, वागधा रेडियो से जागृति भट् तथा महक सोनी, रेडियो कनेक्ट से प्रिया चौधरी ने भाग लिया।

जलवायु परिवर्तन पर रेडियो कार्यक्रम प्रतियोगिता में चेतना रेडियो को मिले दो पुरूस्कार।

एलायंस ऑफ कमन्यूटी रेडियो राजस्थान की ओर से जलवायु परिवर्तन पर चिन्तन के लिए राजस्थान के सामुदायिक रेडियो के मध्य तीन वर्गों में रेडियो की कार्यक्रम

का आयोजन किया गया। चिल्ड्रन एज कलाईमेट एम्बेसेडर एण्ड यूथ लीड कलाईमेट वर्ग में रेडियो कनेक्ट अलवर प्रथम, रेडियो गिनी द्वितीय तथा जेजीटी रेडियो झुंझुनू तृतीय रहे। वुमन एज क्लाइमेट चैंपियन/ जलवायु परिवर्तन के दुष्प्रभावों के रोकने में महिलाओं की भूमिका वर्ग में वागधा रेडियो प्रथम, चेतना रेडियो द्वितीय तथा किसान वाणी कोटा तृतीय स्थान पर रहे। चेतना रेडियो का यह कार्यक्रम संजय आर्य तथा सिविल जज एवं न्यायिक मजिस्ट्रेट हनुमानगढ सुश्री मीनाक्षी की वार्ता पर आधारित था। तृतीय वर्ग जलवायु परिवर्तन के संदर्भ में सतत आजीविका विकास के नवाचार में प्रथम स्थान रेडियो राजस्थान, द्वितीय स्थान किसान वाणी कोटा तथा तृतीय स्थान चेतना रेडियो को प्राप्त हुआ। चेतना रेडियो का यह कार्यक्रम संजय आर्य, सोषल मिडिया इन्यफलून्सर विनोद धारणीया तथा समाजिक कार्यकर्ता कौशल जैन की बातचीत पर आधारित था। विजेताओं को यूनिसेफ के चीफ ऑफ यूनिसेफ रुषभ हिमानी, यूनिसेफ की राजस्थान में निदेशक मंजरी पंत, आईसीडीएस, राजस्थान सरकार की उप निदेशक अनुपमा टेलर तथा राजस्थान युवा बोर्ड के सचिव कैलाश चन्द्र पहाडिया ने प्रमाण पत्र तथा नगद पुरस्कार से सम्मानित किया।

एलायंस ऑफ कमन्यूटी रेडियो राजस्थान की जिम्मेदारी पुनः वागधा रेडियो तथा चेतना रेडियो सम्भालेगें।

एलायंस ऑफ कमन्यूटी रेडियो राजस्थान के बृहस्पतिवार को जयपुर में पुनः निर्वाचन सम्पन्न हुए। इस निर्वाचन में सर्वसम्मति से आगामी दो वर्ष के लिए वागधा रेडियो बांसवाड़ा को संयोजक तथा चेतना रेडियो संगरिया के सहसंयोजक चुना गया । वागधा रेडियो का नेतृत्व गांधीवादी चिंतक व सामाजिक कार्यकर्ता जयेश जोशी तथा चेतना रेडियो का प्रतिनिधित्व एडवोकेट संजय आर्य कर रहे है। रेडियो तिलोनिया, एफएम सीकर, झुंझुनूं की आवाज झूझनू तथा वी-1 रेडियो जालोर कार्यकारिणी सदस्य होगें।

एडवांस प्रशिक्षण शिविर का समापनः कोटपूतली के तीन स्काउट मास्टरों ने प्राप्त किया उन्नत प्रशिक्षण

माउंट आबू में आयोजित राज्य स्तरीय स्काउट गाइड प्रशिक्षण शिविर में कोटपूतली की सक्रिय भागीदारी

मरुधर विशेष

कोटपूतली।(सीताराम गुप्ता) राजस्थान राज्य भारत स्काउट व गाइड राज्य मुख्यालय, जयपुर के तत्वावधान में माउंट आबू स्थित प्रशिक्षण केंद्र नंबर 1 पर आयोजित एडवांस स्काउट मास्टर प्रशिक्षण शिविर का समापन शनिवार को सफलता पूर्वक संपन्न हुआ। यह शिविर 18 मई से 24 मई 2025 तक चला, जिसमें राज्य भर से आए स्काउट मास्टरों ने भाग लिया। इस सात दिवसीय प्रशिक्षण शिविर का उद्देश्य स्काउट गाइड के विभिन्न तकनीकी, शारीरिक, मानसिक एवं नेतृत्व विकास से जुड़े पहलुओं का गहन अध्ययन एवं अभ्यास कराना था। प्रशिक्षण में प्रतिदिन विविध

व्यावहारिक सत्र, अनुशासन आधारित गतिविधियाँ, समूह चर्चाएं, आपदा प्रबंधन, प्राथमिक उपचार, गांठें एवं पायनियरिंग, ध्वज शिष्टाचार, नेतृत्व विकास और शिविर जीवन से जुड़े अनगिनत कौशलों पर प्रशिक्षण प्रदान किया गया। स्थानीय संघ कोटपूतली से तीन स्काउट मास्टर – हंसराज रावत, रोहिताश सैनी और राजवीर यादव – ने इस शिविर में सक्रिय सहभागिता कर सभी प्रशिक्षण सत्रों को सफलतापूर्वक पूर्ण किया। प्रशिक्षकों ने इनकी सक्रियता, अनुशासन एवं समर्पण की सराहना की। इन प्रशिक्षकों ने प्रशिक्षण के दौरान स्काउट आंदोलन के व्यापक उद्देश्यों को आत्मसात करते हुए समूह नेतृत्व एवं अनुशासित शिविर जीवन की मिसाल प्रस्तुत की।

शिविर के समापन समारोह में राज्य मुख्यालय के वरिष्ठ पदाधिकारियों एवं प्रशिक्षकों द्वारा प्रतिभागियों के उज्ज्वल भविष्य की कामना की गई। कोटपूतली स्थानीय संघ के लिए यह गौरव का विषय है कि उसके तीन सक्रिय स्काउट मास्टर राज्य स्तरीय एडवांस प्रशिक्षण प्राप्त कर क्षेत्र में युवाओं को बेहतर दिशा देने के लिए तैयार हैं।

स्थानीय संघ कोटपूतली के सचिव रामवीर यादव ने इस अवसर पर कहा कि, "इस प्रकार के प्रशिक्षण शिविर हमारे स्काउट मास्टरों को नई ऊर्जा, आधुनिक दृष्टिकोण और व्यावहारिक समझ प्रदान करते हैं, जिससे वे अपनी जिम्मेदारियों का और अधिक कुशलतापूर्वक निर्वहन कर सकते हैं।" वहीं जिला संगठन आयुक्त जयपुर / कोटपुतली बहरोड़ शरद कुमार शर्मा प्रभारी सहायक जिला कमिश्नर स्काउट भागीरथ सिंह मीणा, प्रभारी सहायक जिला कमिश्नर गाइड मनोरमा यादव, पप्पू राम यादव, सीताराम गुप्ता, अतुल कुमार आर्य ,संदीप कुमार जांगिड़,देवराज कुमावत सहित स्थानीय संघ कोटपूतली के पदाधिकारी एवं स्काउट मास्टर्स ने तीनों संभागों को बधाई प्रेषित की है।

शाहजहांपुर द्रोणाचार्य स्कूल में प्रतिभावान छात्र छात्राओं का सम्मान समारोह आयोजित

विधायक ललित यादव ने बच्चों को संबोधित करते हुए कहा कि सफलता और बहाने दोनों एक साथ नहीं रह सकते

मरुधर विशेष

शाहजहांपुर (सुनील मेघवाल) शाहजहांपुर कस्बे के गुरु द्रोणाचार्य सीनियर सेकेंडरी स्कूल में रविवार को उत्कृष्ट परिणाम देने वाले छात्र-छात्राओं का सम्मान समारोह आयोजित किया गया। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि मुंडावर विधायक ललित यादव रहे। विधायक ललित यादव ने छात्र-छात्राओं को साफा पहनाकर एवं स्मृति चिन्ह भेंटकर सम्मान किया। विधायक ललित यादव ने छात्र-छात्राओं को संबोधित करते हुए कहा कि कठिन परिश्रम करने से सफलता अवश्य मिलती है अपने माता-पिता के सपनों को साकार करने के लिए आपको कठिन परिश्रम करना पड़ेगा जिससे आपको सफलता अवश्य मिलेगी ।वहीं विधायक ने बच्चों को उदाहरण देते हुए कहा कि सफलता और बहाने दोनों एक साथ नहीं चल सकते दोनों एक दूसरे के विरोधी हैं

।सफलता प्राप्त करने के लिए आपको कठिन परिश्रम करनी पड़ेगी जिससे सफलता अवश्य मिलेगी। कार्यक्रम के दौरान विशिष्ट अतिथि अशोक मुद्गल कांग्रेस जिला महासचिव, शाहजहांपुर पूर्व सरपंच शैतान सिंह मीणा, सुंदरलाल मिश्रा, जगमाल सिंह पूर्व थानेदार, कांग्रेस ब्लॉक अध्यक्ष संजय चौहान,फौलादपुर पूर्व सरपंच मेहरचंद यादव, पूर्व जिला पार्षद बस्ती राम यादव ,ऋषि राज यादव पंचायत समिति सदस्य रहे। कार्यक्रम के दौरान मंच संचालन राकेश यादव के द्वारा किया गया। कार्यक्रम में पहुंचे अतिथियों का स्वागत स्कूल निदेशक मोहर सिंह यादव एवं विद्यालय स्टाफ के द्वारा फूल माला एवं साफा

पहनाकर किया गया। इस अवसर पर रविंद्र चौहान, इंडेन गैस एजेंसी निर्देशक राज सिंह यादव, अजीत सिंह ,हरदयाल सिंह ,जयविंद्र यादव, करण गुप्ता, मनीष गुप्ता ,मनोज कुमार ,रोहित, राकेश यादव, पिंकी, विकास कुमार ,त्रिलोकचंद ,फतेह सिंह, मनीष ,जमुना, रेनू चौहान, सुमेर यादव ,उषा ,पुष्पा, हेमलता, विजय ,ज्योति, कृष्ण बाबूजी, सुमित, अजय शर्मा, विपिन शर्मा सहित विद्यालय स्टाफ मौजूद रहा।

युवा विश्वेंद्र सिंह पनवाल ने अपना जन्मदिन गौसेवा के साथ मनाया

क्षेत्र की गौशाला में गोवंश के लिए गुड हरा चारा खिलाया

मरुधर विशेष

नीमराना (सुनील मेघवाल) डाबडवास निवासी युवा विश्वेंद्र सिंह पनवाल ने रविवार को अपना जन्मदिन एक अनोखे और गौवंश के प्रति श्रद्धा भाव दिखाकर गोवंश को गुड हरा चारा खिलाकर पुण्य

तरीके से मनाया। उन्होंने गौसेवा को प्राथमिकता देते हुए कई गौशालाओं में जाकर गायों को हरा चारा और हरी सब्जियां खिलाई। युवा विश्वेंद्र ने नाथ बस्ती में लड्डू वितरित कर जन्मदिन मनाकर नाथ समाज के लोगों के साथ सुख-दुख की बात शेयर किए। उन्होंने मांढन और कुतीना गौशालाओं में जाकर गायों को गुड़ और हरा चारा खिलाया। इस अवसर पर उनके युवा हम उम्र साथी कपिल पनवाल, अमित, चेतन, नवीन, साहिल आदि युवा मौजूद रहे। सभी युवाओं में विश्वेंद्र पनवाल के साथ कंधा से कंधा मिलाकर उनका जन्मदिन मनाया। सभी ने मिलकर गौसेवा के इस पुण्य कार्य में विश्वेंद्र का साथ दिया। विश्वेंद्र की यह पहल उनके जन्मदिन को खास बनाती है और गौसेवा के प्रति उनकी प्रतिबद्धता को दर्शाती है।

भाजपा नेत्री डॉ. अंजली यादव को जन्मदिन पर केंद्रीय मंत्री भूपेंद्र यादव ने दी बधाई

मरुधर विशेष

अलवर (सुनील मेघवाल) राजस्थान भारतीय जनता पार्टी की सक्रिय और लोकप्रिय नेत्री डॉ. अंजली यादव के जन्मदिवस के शुभ अवसर पर रविवार को भारत सरकार में केंद्रीय मंत्री एवं अलवर सांसद भूपेंद्र यादव ने फोन के माध्यम से शुभकामनाएं दीं। फोन पर बातचीत के दौरान यादव जी ने डॉ. अंजली यादव को दीर्घायु, उत्तम स्वास्थ्य एवं उज्ज्वल भविष्य की कामना की। डॉ. अंजली यादव ने मंत्री भूपेंद्र यादव का आभार प्रकट करते हुए कहा कि उनका स्नेह और मार्गदर्शन सदैव प्रेरणा स्रोत रहेगा। भाजपा कार्यकर्ताओं एवं

समर्थकों ने भी डॉ. यादव को जन्मदिन की हार्दिक शुभकामनाएं प्रेषित कीं और उनके उज्जवल राजनीतिक एवं सामाजिक भविष्य की कामना की। डॉ अंजलि यादव मुंडावर एवं अलवर जिले की राजनीति में केंद्रीय मंत्री भूपेंद्र यादव की टीम की कर्मठ कार्यकर्ता के रूप में कार्य कर रही है। अंजली यादव मुंडावर विधानसभा में अधिकतर क्षेत्र में समय बिताती है।

जाटव समाज की मीटिंग में समाज में फैली विभिन्न कुरुतियों पर रोक लगाने पर हुई चर्चा

मरुधर विशेष

खेरली(दिनेश लेखी)। अंबेडकर भवन खेरली रेल पर जाटव समाज सुधार हेतु समस्त जाटव समाज कठूमर क्षेत्रवासियों की एक मीटिंग का आयोजन मोहन सिंह कसोटिया की अध्यक्षता में किया गया। महेश मौर्य रिटायर्ड बैंक मैनेजर ने बताया कि बैठक में जाटव समाज सुधार हेतु विभिन्न बिन्दुओं पर विचार किया गया। जन्म दिवस और शादी की सालगिरह पर डीजे नहीं बजाया जाये एवं जिसके परिवार मे प्रोग्राम हो स्वयं के परिवार में इन कार्यकमों को करें। ज्यादा खर्चा नहीं करें, लड़का में

लड़की की गोद भराई में फिजूल खर्चा नहीं किया जावे। शादी विवाह में डीजे पर रोक लगाई जाये।, शादी विवाह में दहेज प्रथा से बचा जावे।, मृत्यु भोज पर पूर्ण पाबंदी की जाये।, लडकी के विवाह ने माडा नहीं दिया जाये।, ग्रामीण क्षेत्र में स्टेट हाईवे व नैशनल हाईवे पर शराब का ठेका नहीं खोलने पर पाबन्दी कराई जाये।, शादी विवाह में शराब नहीं परोसी जाये।, गांवों में अवैद्य जुआ, अवैद्य शराब का बेचान नहीं किया जाये।, शिक्षा ग्रहण करने वाली लडकीयों के मोबाईल पर घरवालो को विशेष ध्यान रखना चाहिए।, शराब पर पूर्ण पाबंदी की जाये। इस मीटिंग में कठूमर विधानसभा क्षेत्र से लगभग 150 तक व्यक्ति उपस्थित हुए। अगली मीटिंग तहसील हैड क्वाटर कठूमर पर रखी जायेगी। इस मीटिंग में भाग लेने वाले मोहनसिंह कासीटिया, सुरजन सिंह, महेशचन्द मोर्य (रिटा मैनेजर), मोतीलाल, राजेश जाटव कठूमर, मुन्नी देवी खौखर, कमल सिंह (पूर्व सरपंच समूची), गोपाल शरण (रिटा तहसीलदार), सुन्दर लाल बौद्ध जगदीश रामखिलाडी मानसिंह, उर्मिला बौहरा, बीना देवी, जगमोहन, जयराम बैरवा, रामखिलाडी, रामपाल, गजेन्द्र सिंह मौजूद थे।

त्रिवेदी मेवाड़ा ब्राह्मण विकास परिषद उज्जैन का नवीन कार्यकारणी का शपथ समारोह

मरुधर विशेष

अरुण जोशी ब्यूरो चीफ बांसवाड़ा। उज्जैन के एकलिंग नाथ अतिथि गृह में आज 25 मई 25 को त्रिवेदी मेवाड़ा ब्राह्मण विकास परिषद उज्जैन की नवीन कार्यकारणी का शपथ समारोह का आयोजन किया गया विकास परिषद अध्यक्ष सुनील जोशी कोषाध्यक्ष मीठालाल त्रिवेदी सचिव दिनेशचंद्र उपाध्याय ने पहले शपथ ग्रहण किया। बाकी कार्यकारणी सदस्यों ने एक साथ शपथ ग्रहण किया।सभी सदस्यों को निर्वाचन अधिकारी प्रफुल उपाध्याय ने दिलाया।इस कार्यक्रममें पूर्व अध्यक्ष कांतिलाल शर्मा,रतलाम जावरा वागड़ इकाई अध्यक्ष वागड़ बांसवाड़ा राजस्थान कुशलगढ़ से अरुण जोशी तिलोत्तमा पंड्या हेमलता पंड्या बांसवाड़ा से सुभाष भट्ट,गोमतीशंकर,महेश जोशी हरिश उपाध्याय ने नवनियुक्त अध्यक्ष सुनील जोशी का फूलमाला पहनाकर स्वागत किया संचालक मंडलाध्यक्ष अजय जोशी कोषाध्यक्ष आशीष महेता, राजेशशर्मा सचिवने व्यवस्था संभाली स्व हितेंद्र लोकेंद्र पंड्या को श्रद्धांजलि अर्पित कि संचालान दिनेश चंद्र उपाध्याय ने किया।

साढ़े तीन लाख के नकली नोट बरामद कर दो आरोपीयो को किया गिरफ्तार

मरुधर विशेष

भीनमाल(सतीश सुन्देशा)। पुलिस ने बागोड़ा थाना क्षेत्र में बड़ी कार्रवाई करते हुए जाली नोटों के साथ दो आरोपियों को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने आरोपियों से कुल 3,67,500 रुपए के जाली नोट बरामद किए हैं। अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक मोटाराम ने बताया कि गिरफ्तार आरोपियों में सायला के देताकला निवासी हितेश कुमार (30) पुत्र द्वारका प्रसाद संत और बागोड़ा के जेसावास निवासी दिनेश कुमार (24) पुत्र हड़मताराम मेघवाल शामिल हैं। बागोड़ा पुलिस ने 24 मई को तिलोड़ा बाईपास रोड पर नाकाबंदी के दौरान इन्हें पकड़ा। हितेश के पास से 500 रुपए के 600 नकली नोट और दिनेश के पास से 500 रुपए के 135 नकली नोट मिले। पुलिस ने घटना में प्रयुक्त मोटरसाइकिल को भी जब्त कर लिया है। जांच में पता चला है कि हितेश पर पहले से ही हैदराबाद के बेगम बाजार थाने में जाली नोटों का एक मामला दर्ज है। वह 2024 में चंचलगुड़ा सेंट्रल जेल में डेढ़ महीने तक बंद रहा और फिलहाल जमानत पर है। इतना ही नहीं, मुंबई के एक थाने में भी वह जाली नोटों के मामले में वांछित है। एडिशनल एसपी ने बताया कि यह नकली नोट तेलंगाना राज्य के हैदराबाद से लाकर बालोतरा में सप्लाई देना बताया जा रहा है। जिला पुलिस अधीक्षक ज्ञानचंद्र यादव और अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक मोटाराम के निर्देशन में बागोड़ा थानाधिकारी हुकमाराम की टीम ने यह सफलता हासिल की। मामले की आगे की कार्रवाई भीनमाल थाने में की जाएगी।

मोटरसाइकिल पर आ रहे थे आरोपी

पुलिस ने बताया कि दोनों आरोपी मोटरसाइकिल पर ही नकली नोट लेकर आ रहे थे। पुलिस को मुखबिर की सूचना के बाद नाकाबंदी के दौरान दोनों को पकड़ लिया। नकली नोट कहां से लाए हैं और किसी को सप्लाई देने थे इसके बारे में पुलिस पूछताछ कर रही है।

श्री प्रताप राजपूत छात्रावास शिक्षा समिति के चुनाव हुए

मरुधर विशेष

अलवर। श्री प्रताप राजपूत छात्रावास शिक्षा समिति चुनाव 2025-28 की कार्यकारिणी के चुनाव हुए।जिसमे भूपेन्द्र सिंह शेखावत अध्यक्ष, राजेश सिंह नरुका उपाध्यक्ष,प्रकाश सिंह बडेर सचिव,बजरंग सिह राजावत सदस्य, अमित सिंह नरुका कोषाध्यक्ष,दीपक सिह तंवर सदस्य, अजय सिह सदस्य,भूपेन्द्र सिंह नरुका संयुक्त सचिव,जितेन्द्र सिंह नरुका सदस्य,इन्दर सिह तंवर सदस्य, भीम सिंह चौहान सदस्य निर्विरोध निर्वाचित किया गया क्योंकि पैनल में 11 उम्मीदवार शेष रहने के कारण सभी कार्यकारिणी सदस्यों को विजयी घोषित किया गया। एवं सभी सदस्यों को समिती के संविधान की विधिवत पालना की शपथ दिलाई गई। यह जानकारी मुख्य निर्वाचन अधिकारी श्री प्रताप राजपूत छात्रानाम शिक्षा समिती, अलवर अजय राज शर्मा ने दी।

मैसी फर्गुसन (टेफ़े) ने मनाया 65 वा स्थापना दिवस

मरुधर विशेष

भीनमाल (सतीश सुन्देशा)। स्थानीय भगवती ऑटो एजेंसी में कृषि क्षेत्र में देश की सबसे बड़ी ट्रेक्टर कंपनी मैसी फर्गुसन (टेफ़े) ने अपने 65 सालों की यात्रा को देशभर मै अपने सभी डीलर पॉइंट पर अपने सभी किसान साथियों के साथ अपनी मेहनत, संघर्ष, विश्वास की अपनी गौरवशाली यात्रा को एक अवसर के रूप में मनाया व अपने किसानो साथियों के प्रति अटूट बंधन को हमेशा निभाते रहने के अपने संकल्प के साथ पुनः आगे बढ़ने का संकल्प दोहराया।। कंपनी के रीजनल मैनेजर तरुण जांगिड ने बताया कि "टेफ़े सिर्फ़ कंपनी नहीं एक परिवार है " टेफ़े अपने कंपनी की नहीं अपितु अपने किसान साथियों की उन्नति के लिये भी कटिबंध है, देश दुनिया में टेक्नोलॉजी के क्षेत्र में हो रहे नवाचार व आधुनिक तकनीक के साथ भारतीय किसानो को कैसे लाभान्वित किया जाए यह सदैव टेफ़े का मुख्य लक्ष्य रहा है । इस अवसर पर देशभर में सबसे आधुनिक व उत्कृष्ट ट्रेक्टर शो रूम के लिये भगवती ऑटो एजेंसी को देशभर में सर्वश्रेष्ठ वरीयता दी गई । सभी किसानो ने जोर शोर से कंपनी का सुप्रसिद्ध नारा लगाया "घी खाओ देशी - ट्रेक्टर चलाओ मैसी " खेत में मैसी- दिल में टेफ़े। प्रतिष्ठित व्यवसायी व टेफे के डीलर भंवर लाल सोलंकी ने इस कार्यक्रम में भारी संख्या में पधारे सभी किसान साथियों का इस यात्रा में अमूल्य सहयोग देने के लिये आभार जताया ।

संक्षिप्त समाचार

पाकिस्तान में टीटीपी के 3 आतंकी मारे गए

इस्लामाबाद, एजेंसी। पाकिस्तान के पंजाब प्रांत में शुक्रवार को प्रतिबंधित आतंकवादी समूह तहरीक-ए-तालिबान पाकिस्तान (टीटीपी) के तीन आतंकवादी मारे गए। पंजाब पुलिस के आतंक-रोधी विभाग (सीटीडी) ने कहा, उसे लाहौर से 325 किलोमीटर दूर मियांवाली जिले में आतंकियों की मौजूदगी की सूचना मिली थी। खुफिया जानकारी के आधार पर सीटीडी की टीम ने आतंकी ठिकाने को घेर लिया और आत्मसमर्पण करने को कहा, लेकिन आतंकवादियों ने गोलीबारी करना शुरू कर दिया। सीटीडी ने कहा, मुठभेड़ में तीन आतंकवादी मौके पर मारे गए, छह अन्य भाग गए।

अमेरिका-चीन के साथ ईमानदारी से सहयोग करेंगे- सिंगापुर के प्रधानमंत्री

सिंगापुर, एजेंसी। सिंगापुर के प्रधानमंत्री लॉरेंस वोंग ने कहा है कि उनकी सरकार की अहम प्राथमिकता दुनिया के शीर्ष देशों के साथ व्यापार सहयोग बढ़ाना और दुनिया के दो ताकतवर देशों अमेरिका और चीन के साथ अपने संबंधों को ईमानदार रखना है। साथ ही दोनों देशों की प्रतिद्वंदिता में न फंसने की भी बात कही है। शुक्रवार को सिंगापुर सरकार की नई कैबिनेट का शपथ ग्रहण कार्यक्रम आयोजित हुआ। इस दौरान वोंग ने कहा कि जहां हमारे हित होंगे, हम वहीं काम करेंगे। जहां हमारे हित नहीं होंगे, वहां हम मजबूती से खड़े होंगे और सिंगापुर की सुरक्षा और संप्रभुता की रक्षा करेंगे। वोंग ने कहा कि उनकी पहली प्राथमिकता इस बदलती दुनिया में सिंगापुर की मजबूत जगह बनाना है।

म्यांमार में भूकम्प के झटके महसूस हुए, 4.0 तीव्रता दर्ज

नाएप्यीडॉ, एजेंसी। म्यांमार में शुक्रवार-शनिवार की रात 12 : 28 बजे भूकम्प के झटके महसूस किए गए। रिक्टर स्केल पर भूकम्प की तीव्रता 4.0 दर्ज की गई। नेशनल सेंटर फॉर सीस्मोलॉजी ने बताया कि यह भूकम्प जमीन से करीब 10 किलोमीटर नीचे आया था। अब तक किसी के हताहत होने की खबर नहीं है। इससे पहले म्यांमार में मार्च में 7.7 और 6.4 तीव्रता के भूकम्प आए थे। इसमें 3500 से ज्यादा लोग मारे गए थे। इसके बाद 19 मई को म्यांमार में फिर भूकम्प आया। तब इसकी तीव्रता 3.9 तीव्रता दर्ज की गई थी। भूकम्प का केंद्र 40 किलोमीटर की गहराई पर था।

जर्मनी के हैम्बर्ग रेलवे स्टेशन पर चाकू से हमला, लगभग 12 लोग घायल; महिला गिरफ्तार

हैम्बर्ग, एजेंसी। जर्मनी के हैम्बर्ग रेलवे स्टेशन पर शुक्रवार शाम को एक महिला ने कई लोगों पर चाकू से हमला कर दिया। इसमें कम से कम 12 लोग घायल हो गए हैं। घायलों में तीन लोगों की हालत गंभीर है। तीन अन्य गंभीर रूप से जख्मी हैं और छह लोगों को मामूली चोटें आई हैं। पुलिस ने महिला को गिरफ्तार कर लिया है। उसकी उम्र 39 साल है। हमले का मकसद अभी तक स्पष्ट नहीं है। पुलिस का मानना है कि महिला ने अकेले ही घटना तो अंजाम दिया है। रेलवे ऑपरेटर डॉयचे बान ने बताया कि इस हमले के बाद स्टेशन पर चार ट्रैक बंद कर दिए गए। कुछ लंबी दूरी की ट्रेनों को देरी से चलाया गया या उनका रूट डायवर्ट किया गया था।। हैम्बर्ग में रेलवे स्टेशन और किसी भी पब्लिक ट्रांसपोर्ट में चाकू या दूसरा कोई हथियार लेकर जाना बैन है।

सुरक्षा परिषद में बड़े बदलाव की तैयारी कर रहा ट्रंप प्रशासन, न्यू जर्सी के चार शहरों के खिलाफ मुकदमा दायर

वॉशिंगटन, एजेंसी। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने राष्ट्रीय सुरक्षा परिषद में बड़े बदलाव का आदेश दिया है। राष्ट्रीय सुरक्षा परिषद का आकार कम किया जा सकता है और इसके मौजूदा कई सदस्यों को उनके विभागों में वापस भेजा जा सकता है। बदलाव के तहत राष्ट्रीय सुरक्षा परिषद के कई राजनीतिक सदस्यों को हटाया जा सकता है। इससे पहले बीते महीने ही ट्रंप ने माइक वाल्टज को एनएसए पद से हटा दिया था और उनकी जगह विदेश मंत्री मार्को रुबियो को यह जिम्मेदारी दी गई है। राष्ट्रपति ट्रंप यूएस स्टील और जापानी कंपनी निपोन के सौदे को मंजूरी दे सकते हैं। शुक्रवार को राष्ट्रपति ट्रंप ने कहा कि यूएस स्टील का मुख्यालय पीट्सबर्ग में ही रहेगा और ऐसा सुनियोजित साझेदारी के तहत किया जाएगा। ट्रंप के इस बयान को उनकी सौदे को मंजूरी के तौर पर देखा जा रहा है। हालांकि अभी भी पूरी तरह से स्पष्ट नहीं है कि ट्रंप क्या करने वाले हैं, लेकिन ट्रंप के ताजा बयान के बाद यूएस स्टील के शेयरों में उछाल आया है। इससे साफ है कि निवेशक ट्रंप के बयान को सकारात्मक तरीके से ले रहे हैं। निपोन करीब 15 अरब डॉलर में यूएस स्टील को खरीद सकती है। पूर्व राष्ट्रपति जो बाइडन ने अपने कार्यकाल में इस सौदे पर रोक लगा दी थी। ट्रंप ने कहा है कि काफी सोच विचार और सौदेबाजी के बाद यूएस स्टील अमेरिका में ही रहेगा और इसका मुख्यालय भी पीट्सबर्ग में ही रहेगा। ट्रंप ने कहा कि सुनियोजित साझेदारी से अमेरिका में 70 हजार नौकरियां और अमेरिकी अर्थव्यवस्था में 14 अरब डॉलर आएंगे। ऐसा अनुमान है कि ट्रंप प्रशासन निपोन को यूएस स्टील बेचने के बजाय उसमें निपोन से निवेश के लिए कह सकता है।

यूक्रेन की राजधानी कीव पर संकट,

रूस ने बड़े पैमाने पर रूसी ड्रोन और मिसाइल से किया हमला

कीव , एजेंसी। यूक्रेन की राजधानी कीव पर शनिवार तड़के बड़े पैमाने पर रूसी ड्रोन और मिसाइल से हमला किया गया। इससे पूरे शहर में विस्फोटों और मशीन गन की आवाजें सुनी गईं। जिसके कारण कीव के कई लोगों को भूमिगत मेट्रो स्टेशनों में शरण लेनी पड़ी।

अब तक की जानकारी के अनुसार रूस और यूक्रेन के बीच कैदियों की अदला-बदली के एक बड़े दौर की शुरुआत के कुछ ही घंटों बाद रात में रूस ने हमला किया। पिछले हफ्ते इस्तांबुल में हुई बैठक में दोनों पक्षों के बीच हुई इस बातचीत के पहले चरण में सैकड़ों सैनिकों और नागरिकों की अदला-बदली की गई। यह समझौता तीन साल पुराने युद्ध में युद्ध विराम तक पहुंचने के असफल प्रयासों के बीच सहयोग जैसा था। कीव सैन्य प्रशासन के कार्यवाहक प्रमुख तैमूर तकाचेंको ने टेलीग्राम पर लिखा कि शनिवार तड़के यूक्रेनी राजधानी के कम से कम चार शहरी जिलों में रोकी गई मिसाइलों और ड्रोनों का मलबा गिरा। तकाचेंको के अनुसार, हमले के बाद छह लोगों को चिकित्सा देखभाल की आवश्यकता पड़ी, कीव के सोलोमियान्स्की जिले में दो जगहों पर आग लग गई।

हमले से पहले, शहर के मेयर विटाली क्लिट्स्को ने कीव निवासियों को चेतावनी दी थी कि 20 से अधिक रूसी हमलावर ड्रोन कीव की ओर बढ़ रहे हैं। उन्होंने बताया कि हमले के दौरान ड्रोन का मलबा कीव के ओबोलोन जिले में एक शॉपिंग मॉल और एक रिहायशी इमारत पर गिरा। क्लिट्स्को ने बताया कि आपातकालीन सेवाएँ घटनास्थल पर पहुँच गई हैं। शुक्रवार को हुई कैदियों की अदला-बदली एक जटिल अदला-बदली का पहला चरण था। इस दौरान दोनों पक्षों के 1,000 कैदियों की अदला-बदली की गई। राष्ट्रपति वोलोदिमीर जेलेंस्की ने कहा कि पहले चरण में 390 यूक्रेनियन वापस लाए गए। सप्ताहांत में और रिहाई की उम्मीद है जो इसे युद्ध का सबसे बड़ा बदलाव बना देगा। रूस के रक्षा मंत्रालय ने कहा कि उसे यूक्रेन से भी इतने ही लोग वापस मिले हैं।

एक यूक्रेनी अधिकारी के अनुसार, यह अदला-बदली उत्तरी यूक्रेन में बेलारूस की सीमा पर हुई। अधिकारी ने नाम गुप्त रखने की शर्त पर यह जानकारी दी। उन्हें सार्वजनिक रूप से बोलने का अधिकार नहीं था। रूसी रक्षा मंत्रालय ने बताया कि रिहा किये गये रूसियों को चिकित्सा उपचार के लिए बेलारूस ले जाया गया है। हालांकि, युद्ध शुरू होने के बाद से अब तक युद्ध बंदियों की दर्जनों अदला-बदलियों के बाद भी दोनों पक्षों के बीच लड़ाई में कोई रुकावट नहीं आई है। हालिया अदला-बदली के दौरान भी लगभग 1,000 किलोमीटर लंबी अग्रिम पंक्ति पर लड़ाई जारी रही। जहां हजारों सैनिक मारे गए और दोनों देशों में से किसी ने भी अपने हमलों में नरमी नहीं दिखाई।

ये रूसी हमला, रूस और यूक्रेन द्वारा कैदियों की एक बड़ी अदला-बदली शुरू करने के कुछ घंटों बाद हुआ। जिसके तहत समझौते के पहले चरण में सैकड़ों सैनिकों और नागरिकों की अदला-बदली की गई थी। यह समझौता 3 साल पुराने युद्ध में संघर्ष विराम तक पहुंचने के असफल प्रयासों में सहयोग का एक पल था। कीव सैन्य प्रशासन के कार्यवाहक प्रमुख, तैमूर तकाचेंको ने टेलीग्राम पर लिखा कि शनिवार की सुबह यूक्रेनी राजधानी के कम से कम चार शहरी जिलों में इंटरसेप्ट की गई मिसाइलों और ड्रोन का मलबा गिरा।

तकाचेंको के मुताबिक, हमले के बाद घायल हुए 6 लोगों को इलाज चल रहा है। वहीं कीव के सोलोमियान्स्की जिले में दो जगहों पर आग लग गई।

हमले से पहले, शहर के मेयर विटाली क्लिट्स्को ने कीव के निवासियों को चेतावनी दी थी कि 20 से अधिक रूसी हमलावर ड्रोन कीव की ओर बढ़ रहे हैं। हमले के दौरान ड्रोन का मलबा कीव के ओबोलोन जिले में एक शॉपिंग मॉल और एक रिहायशी इमारत पर गिरा। क्लिट्स्को ने बताया कि आपातकालीन सेवाएं घटनास्थल पर पहुंच गई हैं।

देखा जाए तो समझौते के मुताबिक शुक्रवार को कैदियों की अदला-बदली का पहला चरण था। इसमें दोनों पक्षों से 1,000 कैदियों की अदला-बदली शामिल थी। यूक्रेनी राष्ट्रपति वोलोदिमीर जेलेंस्की ने कहा कि पहले चरण में 390 यूक्रेनियनों को स्वदेश लाया गया। सप्ताहांत में और रिहाई की उम्मीद है, जो इसे युद्ध का सबसे बड़ा अदला-बदली बना देगा। रूस के रक्षा मंत्रालय ने कहा कि उसे यूक्रेन से भी इतनी ही संख्या में हथियार मिले हैं। नाम न बताने की शर्त पर एक यूक्रेनी अधिकारी ने बताया, यह अदला-बदली उत्तरी यूक्रेन में बेलारूस की सीमा पर हुई। क्योंकि उसे सार्वजनिक रूप से बोलने का अधिकार नहीं था। रूसी रक्षा मंत्रालय ने बताया कि रिहा किए गए रूसियों को इलाज के लिए बेलारूस ले जाया गया है। शुक्रवार को जब रिहा किए गए लोग मेडिकल सुविधा में दाखिल हुए, तो अपने रिश्तेदारों की तख्तियां और तस्वीरें लिए लोग नाम या ब्रिगेड नंबर चिल्लाते हुए अपने किसी अपने की खबर लेने लगे। 16 मई की इस्तांबुल बैठक के बाद, तुर्की के विदेश मंत्री हकान फिदान ने कैदियों की अदला-बदली को एक ÷विश्वास-निर्माण उपाय÷ बताया था। साथ ही ये कहा था कि दोनों पक्ष सिद्धांत रूप से दोबारा बैठक करने पर सहमत हो गए हैं।

वहीं क्रेमलिन के प्रवक्ता दिमित्री पेस्कोव ने शुक्रवार को कहा कि लड़ाई समाप्त करने के लिए अगले दौर की वार्ता के स्थल पर अभी तक कोई समझौता नहीं हुआ है। हालांकि इसके लिए कूटनीतिक प्रयास जारी हैं। रूसी विदेश मंत्री सर्गेई लावरोव ने शुक्रवार रात कहा कि कैदियों की अदला-बदली समाप्त होने के बाद मास्को यूक्रेन को एक मसौदा दस्तावेज देगा। इसमें ÷टिकाऊ, दीर्घकालिक, व्यापक÷ शांति समझौते के लिए अपनी शर्तें बताई जाएंगी। यूरोपीय नेताओं ने रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन पर शांति प्रयासों में देरी करने का आरोप लगाया है। इसके साथ ही रूसी अपनी बड़ी सेना को युद्ध क्षेत्र की ओर आगे बढ़ा रहे हैं। इसके साथ ही यूक्रेनी भूमि पर कब्जा करने की कोशिश कर रहे हैं।

इस्तांबुल बैठक में यह बात सामने आई कि लड़ाई खत्म करने के लिए दोनों पक्ष अहम शर्तों पर एक दूसरे से बहुत दूर हैं। यूक्रेन के लिए ऐसी ही एक शर्त, जिसे उसके पश्चिमी सहयोगियों का समर्थन प्राप्त है, शांतिपूर्ण समाधान की दिशा में पहला कदम के रूप में एक अस्थायी युद्धविराम है। रूस के रक्षा मंत्रालय ने कहा कि उसने 20 मई से 23 मई के बीच युद्ध के मैदान से दूर 788 यूक्रेनी ड्रोन को मार गिराया है। यूक्रेन की वायु सेना ने कहा कि रूस ने गुरुवार देर रात से 175 शाहेड और नकली ड्रोन के अलावा एक बैलिस्टिक मिसाइल दागी है।

रूस ने आतंकवाद के खिलाफ भारत के साथ दिखाई एकजुटता

मॉस्को, एजेंसी। आतंकवाद आज विश्व के लिए एक गंभीर चुनौती है, और भारत इससे निपटने के लिए लगातार प्रयासरत है। इसी क्रम में, सांसद कनिमोझी करुणानिधि के नेतृत्व में एक सर्वदलीय प्रतिनिधिमंडल ने रूस की यात्रा की, जहाँ उन्होंने फेडरेशन काउंसिल और स्टेट ड्यूमा के सदस्यों के साथ व्यापक चर्चा की। इस यात्रा का मुख्य उद्देश्य आतंकवाद के खिलाफ लड़ाई में वैश्विक सहयोग को मजबूत करना था। प्रतिनिधिमंडल ने फेडरेशन काउंसिल की अंतर्राष्ट्रीय मामलों की समिति के प्रथम उप-अध्यक्ष एंड्री डेनिसोव और अन्य सीनेटरों के साथ मुलाकात की। इस दौरान, आतंकवाद के खिलाफ वैश्विक लड़ाई में विधायी अभिसरण को बढ़ाने पर जोर दिया गया। भारतीय पक्ष ने आतंकवाद के खिलाफ देश की प्रतिक्रिया के रूप में चलाए जा रहे 'ऑपरेशन सिंदूर' की ओर ध्यान आकर्षित किया। बाद में, प्रतिनिधिमंडल ने स्टेट ड्यूमा की अंतर्राष्ट्रीय मामलों की समिति के अध्यक्ष लियोनिद स्लटस्की के साथ भी मुलाकात की और स्टेट ड्यूमा के सदस्यों के साथ बातचीत की। इन वार्ताओं में भारत और रूस के बीच ऐतिहासिक और समय-परीक्षित संबंधों की पुष्टि की गई, जो आपसी विश्वास और सम्मान पर आधारित हैं। चर्चाओं में वैश्विक सुरक्षा वास्तुकला, उभरते भू-राजनीतिक संरेखण और बहुपक्षीय सहयोग जैसे महत्वपूर्ण मुद्दों को शामिल किया गया।

बांग्लादेश में दिसंबर तक चुनाव कराए यूनुस सरकार

ढाका, एजेंसी। बांग्लादेश में अंतरिम सरकार के मुखिया डॉ. मुहम्मद यूनुस पर चुनावी रोडमैप घोषित करने और जल्द चुनाव कराने का जोरदार दबाव बढ़ गया है। सेना प्रमुख वकार-उज-जमां ने स्पष्ट रूप से दिसंबर तक चुनाव कराने का अल्टीमेटम दिया है, जिससे यूनुस सरकार का तिलिस्म टूटने लगा है। इसी बीच, छात्र संगठनों ने साफ शब्दों में कहा है कि जब तक चुनाव सुधार नहीं हो जाते और शेख हसीना के शासनकाल के कथित अपराधों की जांच व सजा नहीं दी जाती, वे किसी भी आम चुनाव को स्वीकार नहीं करेंगे। दूसरी ओर, विपक्षी दल बीएनपी और जमात-ए-इस्लामी के बीच चुनाव को लेकर चर्चा और सड़कों पर संघर्ष की रणनीतियां बन रही हैं।

छात्र संगठन बोले- न्याय नहीं मिला तो लोकतंत्र मजाक बन जाएगा: नेशनल सिटिजन पार्टी , जमात-ए-इस्लामी के स्टूडेंट विंग छात्र शिबिर और वामपंथी छात्र संगठनों ने एकमत होकर कहा है कि जब तक पिछली सरकार के दौरान हुई हिंसा और हत्याओं की निष्पक्ष जांच नहीं होती, चुनाव का कोई मतलब नहीं। एनसीपी के छात्र नेता नाहिद इस्लाम का कहना है कि अगर देश के सभी वर्ग इस तरह असहयोग करेंगे तो डॉ. यूनुस इस्तीफा दे देंगे। हमने उनसे अनुरोध किया है कि वे इस्तीफा न दें, लेकिन चुनाव से पहले न्याय जरूरी है।

बीएनपी बोली- बिना चुनाव कोई भी सरकार अवैध : पूर्व पीएम खालिदा जिया की पार्टी बांग्लादेश नेशनलिस्ट पार्टी (बीएनपी) ने डॉ. यूनुस की सरकार से तुरंत चुनाव रोडमैप की मांग की है। पार्टी महासचिव मिर्जा फखरुल इस्लाम आलमगीर ने कहा कि रोडमैप के बिना वर्तमान सरकार का समर्थन संभव नहीं है।

सूत्रों के अनुसार, बीते सप्ताह बीएनपी और जमात-ए-इस्लामी के बीच 4 बैठकें हुई हैं, जिनमें आंदोलन की रणनीति पर चर्चा हुई। सेना के दबाव में डॉ. यूनुस के इस्तीफे की अटकलें तेज हो गई हैं। वहीं चर्चा है कि वे चुनाव कराए बिना राजनीतिक दलों से बातचीत कर फिर से एक राष्ट्रीय सरकार बनाने की कोशिश कर सकते हैं। क्ल्हक्कने स्पष्ट कर दिया है कि चुनाव के बिना किसी भी राष्ट्रीय सरकार को वह वैध नहीं मानेगी।

खालिदा जिया ने भी दिसंबर में चुनाव कराने की मांग दोहराई : पूर्व प्रधानमंत्री खालिदा जिया की बीएनपी ने भी यूनुस पर दबाव बढ़ाते हुए दिसंबर में चुनाव कराने की मांग दोहराई है। पार्टी ने चेतावनी दी है कि अगर सरकार जल्द चुनावी रोडमैप तैयार कर इसकी सार्वजनिक घोषणा नहीं करती, तो उनका सरकार के साथ सहयोग जारी रखना मुश्किल हो जाएगा।

अंतरिम सरकार के प्रमुख यूनुस ने अब तक चुनावों को जनवरी-जून 2026 के बीच कराने की बात कही है। सेना इसे दिसंबर 2025 से आगे खींचने को लेकर नाराज है। इसके चलते आगे टकराव तेज हो सकते हैं।यूनुस के अलावा कट्टरपंथी जमात-ए-इस्लामी भी चुनाव टालने के पक्ष में हैं।

सूत्रों से संकेत मिल रहे हैं कि सरकार को पांच साल तक बने रहने की उम्मीद थी, जिसे सेना-छात्रों के दबाव ने गंभीर संकट में डाल दिया है। गृह मंत्रालय के सलाहकार भी कह चुके हैं कि जनता चाहती है कि यह सरकार पांच साल तक बनी रहे।सैन्य अधिकारियों ने यहां तक कहा कि अगर सरकार जिद पर अड़ी रही, तो हालात बेकाबू हो सकते हैं।

हार्वर्ड के विदेशी छात्रों को बड़ी राहत, अमेरिकी अदालत ने ट्रंप प्रशासन के आदेश पर लगाई रोक

वाशिंगटन, एजेंसी। अमेरिका के मैसाचुसेट्स प्रांत में एक जज ने शुक्रवार को ट्रंप प्रशासन के उस आदेश पर अस्थायी रूप से रोक लगा दी, जिसमें हार्वर्ड यूनिवर्सिटी के दरवाजे अंतर्राष्ट्रीय छात्रों के लिए बंद कर दिए गए थे। अदालत का यह फैसला होमलैंड सिक्योरिटी विभाग (डीएचएस) द्वारा हार्वर्ड यूनिवर्सिटी की एसईवीआईएस सिस्टम (स्टूडेंट एंड एक्सचेंज विजिटर इन्फॉर्मेशन सिस्टम) का उपयोग करने की अनुमति रद्द करने के एक दिन बाद आया। यह कदम अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के आइवी लीग स्कूल पर हमले को और तेज करने का हिस्सा था। डीएचएस के फैसले में कहा गया था कि हार्वर्ड यूनिवर्सिटी में

पढ़ रहे विदेशी छात्रों को किसी अन्य कॉलेज में स्थानांतरित होना होगा, अन्यथा उनका दर्जा समाप्त हो जाएगा। ऐसा अनुमान है कि हार्वर्ड में 780 भारतीय छात्र और स्कॉलर हैं।

हार्वर्ड यूनिवर्सिटी ने शुक्रवार सुबह अदालत में दायर एक मुकदमे में कहा, ÷सरकार ने एक हस्ताक्षर के साथ हार्वर्ड के लगभग एक-चौथाई छात्रों, यानी विदेशी छात्रों को हटाने की कोशिश की है, जो यूनिवर्सिटी और इसके मिशन में महत्वपूर्ण योगदान देते हैं। अंतर्राष्ट्रीय छात्रों के बिना हार्वर्ड, हार्वर्ड नहीं है।÷ हार्वर्ड यूनिवर्सिटी के अध्यक्ष एलन एम. गार्बर ने कॉलेज को लिखे एक पत्र में कहा कि हम इस गैरकानूनी और अनुचित कार्रवाई की निंदा करते हैं। उन्होंने कहा कि यह कदम हार्वर्ड के हजारों छात्रों और स्कॉलर के भविष्य को खतरे में डालता है। देश भर के कॉलेजों और विश्वविद्यालयों में पढ़ने और अपने सपनों को पूरा करने के लिए अमेरिका आए अनगिनत अन्य लोगों के लिए एक चेतावनी है।÷ ट्रंप प्रशासन ने फिलिस्तीन समर्थक प्रदर्शनों और यहूदी छात्रों पर हमलों से निपटने में विश्वविद्यालय की लापरवाही के कारण विश्वविद्यालय के सभी वित्तपोषण को निलंबित कर दिया है तथा इसकी कर-मुक्त स्थिति को रद्द करने की मांग की है।ट्रंप ने कोलंबिया विश्वविद्यालय जैसे अन्य प्रमुख कॉलेजों के खिलाफ भी कदम उठाया है। डीएचएस ने हार्वर्ड से उसके 13 स्कूलों के सात हजार विदेशी छात्रों के बारे में जानकारी मांगी थी, जो प्रस्तुत कर दी गई। मुकदमे में कहा गया, ÷22 मई को डीएचएस ने हार्वर्ड के जवाब को अपर्याप्त माना, बिना कारण बताए या किसी ऐसे विनियमन का हवाला दिए जिसका हार्वर्ड अनुपालन करने में विफल रहा।

चावल पर मजाक से जापान के मंत्री को देना पड़ गया इस्तीफा

बढ़ती कीमतों के सवाल पर कहा- मैं खरीदता नहीं, मेरे चाहने वाले दे जाते हैं

टोक्यो, एजेंसी। जापान के पूर्व कृषि मंत्री ताकु ईटो को चावल की बढ़ी कीमत पर मजाकिया बयान देना काफी महंगा पड़ गया। यहां तक कि उन्हें इस्तीफा देना पड़ गया। उन्होंने कहा था कि वो कभी चावल नहीं खरीदते हैं, बल्कि उन्हें मुफ्त में मिलता है। इस बयान के बाद महंगाई से जूझ रही जनता का गुस्सा भड़क गया। ईटो ने बुधवार को प्रधानमंत्री ऑफिस जाकर अपना इस्तीफा सौंपा। इस इस्तीफे के बाद प्रधानमंत्री शिगेरु इशिबा पर भी महंगाई कम करने का दबाव और ज्यादा बढ़ गया। उनकी सरकार को चावल की लगातार बढ़ती कीमतों को कंट्रोल न कर पाने की वजह से लोगों का गुस्सा झेलना पड़ रहा है। जापान में जुलाई महीने में संसद के ऊपरी सदन का चुनाव होने वाला है, ऐसे में यह मुद्दा और ज्यादा राजनीतिक तूल पकड़ता जा रहा है।

दो साल में दोगुना महंगा हुआ चावल : जापान का सबसे मशहूर कोशिहिकारी ब्रांड का चावल लगभग 5,000 येन (3000 रुपए) प्रति 5 किलोग्राम में बिक रहा है। जबकि 2023 में 5 किलोग्राम चावल की कीमत औसतन लगभग 2,000 येन (1100 रुपए) थी। प्रधानमंत्री इशीबा ने वादा किया है कि चावल की औसत कीमत को 3,000 येन (1700 रुपए) प्रति 5 किलोग्राम तक लाया जाएगा। जापान में कोशिहिकारी ब्रांड का चावल काफी पसंद किया जाता है। इसे जापान ग्रेन इंस्पेक्शन एसोसिएशन ने स्पेशल ए ग्रेड दिया है। जापान में कोशिहिकारी ब्रांड का चावल काफी पसंद किया जाता है। इसे जापान ग्रेन इंस्पेक्शन एसोसिएशन ने स्पेशल ए ग्रेड दिया है।

पर्यावरण मंत्री को बनाया नया कृषि मंत्री : ताकु ईटो ने पिछले हफ्ते एक फंड रेज प्रोग्राम में कहा था- मैंने खुद कभी चावल नहीं खरीदा, क्योंकि मेरे समर्थक मुझे इतना चावल दान करते हैं कि मैं इसे बेच सकता हूं।

ईटो के इस बयान से लोग भड़क गए, क्योंकि उन्हें एक साल पहले के मुकाबले में चावल की एक बोरी के लिए लगभग दोगुनी कीमत चुकानी पड़ रही है। बुधवार को ही ईटो की जगह शिंजिरो कोइजुमी को कृषि मंत्री बनाया गया, जो पहले पर्यावरण मंत्री थे। कोइजुमी लिबरल डेमोक्रेटिक पार्टी की लीडरशिप के लिए प्रधानमंत्री इशिबा के खिलाफ चुनाव लड़ चुके हैं। हालांकि उन्हें इसमें नाकामी मिली थी।

पूर्व पीएम इमरान का आर्मी चीफ पर तंज : कहा- उन्हें खुद को राजा की उपाधि देना चाहिए

इस्लामाबाद, एजेंसी। पाकिस्तान के पूर्व प्रधानमंत्री इमरान खान ने आर्मी चीफ आसिम मुनीर के फील्ड मार्शल बनने पर तंज कसा है। इमरान ने कहा है कि मुनीर को खुद को राजा की उपाधि देनी चाहिए।

जेल में बंद इमरान का यह बयान उनके एक्स पर पोस्ट किया है। इसमें इमरान ने लिखा, माशाअल्लाह, जनरल असीम मुनीर को फील्ड मार्शल बनाया गया है। हालांकि, उन्हें राजा की उपाधि देना ज्यादा अच्छा होता- क्योंकि अभी देश में जंगल का कानून चलता है और जंगल में केवल एक ही राजा होता है। जनरल मुनीर को भारत-पाक संघर्ष के बाद 20 मई को फील्ड मार्शल के पद पर प्रमोट किया गया। वे देश के इतिहास में इस पद पर पहुंचने वाले दूसरे आर्मी चीफ हैं।

कल चार देशों के दौरे पर जाएंगे पीएम शहबाज: पाकिस्तान के प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ 25 से 30 मई तक तुर्किये, ईरान, अजरबैजान और ताजिकिस्तान का दौरा करेंगे। पाकिस्तानी विदेश मंत्रालय ने शुक्रवार को इस बारे में जानकारी दी। मंत्रालय के मुताबिक शरीफ इस दौरान इन देशों के साथ कई मुद्दों पर चर्चा करेंगे और हाल ही में भारत के साथ संघर्ष के समय मदद करने के लिए आभार जताएंगे। बयान में यह भी कहा गया कि शरीफ 29-30 मई को ताजिकिस्तान की राजधानी दुशान्बे में ग्लेशियर्स पर अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन में भी भाग लेंगे।

पीएम शरीफ से मिले बिलावल भुट्टो : पाकिस्तान पीपुल्स पार्टी के चेयरमैन बिलावल भुट्टो ने शुक्रवार को प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ से

मुलाकात की। बिलावल ने शरीफ से सलाह मांगी कि दुनिया के सामने पाकिस्तान का पक्ष कैसे रखा जाए। मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक इस बैठक में सीनेटर शेरी रहमान और पूर्व विदेश मंत्री हिना रब्बानी खार भी मौजूद थीं।

पिछले हफ्ते, शरीफ ने बिलावल को एक हाई लेवल डेलिगेशन की लीडरशिप सौंपी है, जो भारत के साथ हुए तनाव को लेकर दुनिया के सामने पाकिस्तान क पक्ष रखेगा।

इमरान के सांसद ने सिंधु जल संकट को वाटर-बम बताया : पाकिस्तानी सांसद सैयद अली जफर ने सिंधु जल संकट को बताया वाटर बम बताया है। उन्होंने सरकार से मांग की है कि वो जल्द से जल्द से संकट से बाहर निकलने के लिए कोई कदम उठाए।

पाकिस्तान तहरीक-ए-इंसाफ पार्टी से सांसद अली जफर ने शुक्रवार को पाकिस्तान संसद में कहा कि हमारा हर 10 में से 9 आदमी इसी पर नदी पर निर्भर है। हमारी 90त्न फसलों को इसी नदी से पानी मिलता है। उन्होंने कहा- अगर हम इस जल संकट को अभी नहीं सुलझाते, तो हम भूख से मर सकते हैं। इसकी वजह यह है कि सिंधु बेसिन हमारी लाइफ लाइन है। हमारा तीन-चौथाई पानी देश के बाहर से आता है।

पाकिस्तानी सेना के प्रवक्ता की भारत को धमकी : पाकिस्तानी सेना के प्रवक्ता अहमद शरीफ चौधरी ने भारत को धमकी भरा बयान दिया है। शरीफ ने एक बयान में कहा, अगर तुम (भारत) हमारा पानी बंद करोगे, तो हम तुम्हारी सांसें बंद कर देंगे।

प्रवक्ता चौधरी ने यह बयान पाकिस्तान के एक विश्वविद्यालय में भाषण के दौरान की। सोशल मीडिया पर इसका वीडियो वायरल हो गया है। हालांकि, यह वीडियो किस कार्यक्रम और जगह का है, इसकी फिलहाल जानकारी नहीं है। दरअसल भारत ने पहलगाम में हुए आतंकी हमले के बाद पाकिस्तान के साथ जल संधि स्थगित कर दी है और पाकिस्तान जाने वाले पानी को रोक दिया है।

पॉपुलर होगा एथेलीस्योर स्टाइल

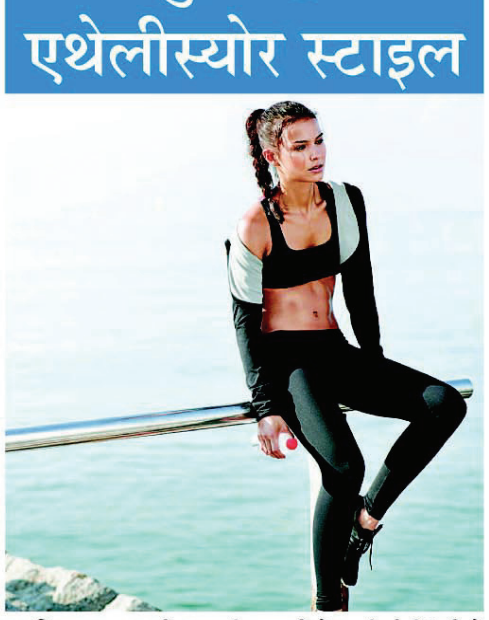

किसका मन नहीं करता कि अपनी रोजमर्रा की जिंदगी में कुछ ऐसा पहनें जिसमें स्टाइल भी हो और कंफर्ट भी। पर ये सोचना जितना आसान हैं, अपने कपड़ों को स्टाइल के साथ पहनना उतना ही मुश्किल और किसी तरह नए-नए स्टाइल अपना भी लें तो उन स्टाइलिश कपड़ों की देखरेख काफी भारी पड़ती है। लेकिन अब यह मुश्किल आसान करने के लिए एक खास प्रोडक्ट आ चुका है। यह है पीएंडजी का प्रोडक्ट एरियल। एरियल ने इंटरनेशनल डिजाइनर के साथ मिलकर एथेलीस्योर यानी की एथलेटीक और लेजर स्टाइल के कपड़े निकाले हैं। अब आप सोच रहे होंगे की यह नया नाम क्या है? आपको बता देते हैं एथेलीस्योर फैशन इंडस्ट्री में लेटेस्ट ट्रेंड हैं। इसमें स्पोर्ट्स वियर और रोजमर्रा में इस्तेमाल होने वाले कपड़ों के स्टाइल को मिलाकर एक नया क्लोदिंग रेंज तैयार किया जाता है। मशहूर ब्रिटिश फैशन डिजाइनर जाइल्स डीकन के इस रेंज को बाजार में उतारने से पहले पी एंड जी ने लोगों की पसंद के मुताबिक पहने जाने वाले कपड़ों पर एक सर्वे किया। सर्वे के मुताबिक 71 प्रतिशत लोग ऐक्टिविटीज इंस्पायर्ड कपड़े पहनना पसंद करते हैं। 27 प्रतिशत लोगों का मानना है कि लेगिंग्स उनको काफी आरामदायक लगती है। 56 प्रतिशत लोग यात्रा के दौरान पहने जाने वाले लोग कपड़ों की खास रेंज चाहते हैं। इस सर्वे के नतीजों को ध्यान में रखकर ही इंटरनेशनल डिजाइनर जाइलज डीकन ने एथेलीस्योर की पूरी क्लोदिंग रेंज तैयार की है। फैशन एक्सपर्ट्स की मानें तो एथेलीस्योर स्टाइल 2020 में सबसे ज्यादा पॉपुलर हो जाएगा। योगा पैंट्स, इंडियन और वेस्टर्न कपड़ों के साथ पहने जाने वाली लेगिंग्स और जग्गिंग्स इन्ही कपड़ों के उदाहण हैं।

गणित के हिसाब से शादी की उम्र...

शादी जिंदगी भर का बंधन है और इसका फैसला सोच-समझकर करना चाहिए। शादी की सही उम्र वही होती है, जब आप इसके लिए पूरी तरह से तैयार हों, लेकिन गणित इस बारे में कुछ और कहता है। गणित कहता है शादी की सही उम्र 28 ओर 32 के बीच है। इस उम्र में तलाक की आशंका सबसे कम होती है। इस उम्र तक आते-आते आप मानसिक, शारीरिक और सामजिक रूप से मजबूत हो चूके होते हैं और यही क्वॉलिटी आपको अच्छा जीवनसाथी बनाती हैं। उटाह यूनिवर्सिटी के शोधकर्ताओं के मुताबिक जो लोग 28 और 32 के बीच शादी करते हैं वह अपनी शादी सफलता के साथ निभाते हैं। यह एक नया परिवर्तन है।

आमतौर पर माना जाता रहा है कि देर से शादी करना, शादी को निभाने काबिल बनाता है। यह अध्ययन लोगों के मानसिक बदलाव को दर्शाता है। टीन ऐज में शादी करने से अधिकतर लोगों की पसंद-नपसंद में बदलाव आता है, जिसकी वजह से तलाक होते हैं। बढ़ती उम्र यानी 28, 30 और 40 से पहले कि उम्र में व्यक्ति शांत और स्थिर हो जाता है और यही उसे अच्छा जीवनसाथी बनाने में सहायक होते हैं। यह शोध दी जनरल प्रो-मैरिज इंस्टीट्यूट आफ फैमिली स्टडीज द्वारा प्रकाशित किया गया है।

पॉप कलर्स के वूलन्स..

विंटर्स में वूलन्स में जो ट्रेंड सबसे ज्यादा चलन में है, वह है पॉप कलर्स। यानी ब्राइट कलर्स के वूलन्स। पीला ब्राइट ओवरकोट आप पर तब अच्छा लगेगा, जब आप इसके साथ डार्क कलर की एसेसरी इस्तेमाल करेंगी। आप हैंडबैग और फुटवियर का कलर भी डार्क रख सकती हैं। आजकल स्लिमफिट वूलन कुर्तियां भी चलन में हैं। आप इन्हें डेनिम के साथ कैरी कर सकती हैं। यह आपको कैजुअल लुक देगा, इसलिए इसके साथ आपको ज्यादा एसेसरीज की जरूरत नहीं। मेकअप सिंपल रखें। यदि ऑफिस के लिए ब्राइट कलर कैरी करना चाहती हैं तो कोट या जैकेट सबसे अच्छा विकल्प है। इसके साथ आप हैंडबैग, ब्रेसलेट कैरी कर सकती हैं। फुटवियर में हाई हील कैरी करें और कलर डार्क चुनें। इसके साथ ज्वैलरी भी मैच कराई जा सकती है। कोट के साथ बालों को खुला न रखें। ईवनिंग आउट या फिर पार्टीज के लिए आप निटेड पुलओवर चुनें। यह आपके स्टाइल स्टेटमेंट को निखार देगा।इस पर ट्राइबल ज्वैलरी या एथनिक ज्वैलरी अच्छी लगेगी। पुलओवर पसंद नहीं तो आप श्रग भी इस्तेमाल कर सकती हैं।

खतरनाक है डॉक्टर गूगल...

कई लोग सर्च इंजन गूगल को डॉक्टर समझकर उस पर छोटी-मोटी बीमारी के लिए दवाएं सर्च करने लग जाते हैं। यह सेहत के लिए खतरनाक साबित हो सकता है क्योंकि हो सकता है जिस बीमारी के लक्षणों के चलते आप गूगल पर उसका इलाज खोज रहे हैं वे लक्षण किसी और बिमारी के हो। ऐसे में अगर कोई बिना डॉक्टर की सलाह के गूगल पर अपनी बीमारी के लक्षण के अनुसार दवाई लेना शुरू कर देगा तो यह स्वास्थ के लिए घातक हो सकता है। एक और खतरा सामने आया है वह यह कि एशिया में 90 फीसदी डॉक्टर्स भी गूगल और इंटरनेट सर्च के आधार पर मरीजों का इलाज कर रहे हैं।

इस अध्ययन में यह भी खुलासा हुआ है कि तीन में एक डॉक्टर इलाज के दौरान अपने हाथ में मोबाइल फोन अथवा टैबलेट रखता है तथा कोई भी समस्या होने पर इलाज सर्च कर लेते हैं। इस अध्ययन में सामने आया है कि एक डॉक्टर एक दिन में कम से कम 6 प्रोफेशनल सर्च करता है। इसमें चौंकाने वाली बात यह भी है कि 58 फीसदी फिजिशंस कंप्यूटर पर नेट सर्च कर इलाज कर रहे हैं। वहीं 14 फीसदी अभी भी प्रकाशित माध्यम पर भरोसा कर रहे हैं।

इलाज के दौरान मोबाइल

वर्तमान दौर में लोग अपने जीवन से जुड़े हर सवालों का जवाब सर्च इंजन गूगल पर ढूंढते हैं, लेकिन जहां तक स्वास्थ्य से जुड़ी जानकारियों की बात है, तो लोग गूगल को अपना चिकित्सक मानकर मुफ्त में मुसीबत मोल लेते हैं। हालात यह है कि शरीर में एक छोटी सी फुंसी को वे कैंसर और सिरदर्द को ब्रेन ट्यूमर समझकर मानसिक अवसाद तक के शिकार हो जाते हैं।

शरीर में किसी प्रकार की समस्या होने पर गूगल पर उसके बारे में टोह लेने में कोई समस्या नहीं है, लेकिन इसके बाद लोगों को यह पता नहीं होता कि उन्हें कहां पर रुकना है। सही तरीका तो यही है कि जब चिकित्सक किसी को किसी बीमारी की पुष्टि कर दे, तब सर्च इंजन पर जाकर उससे संबंधित जानकारियां जुटाना फायदे का सौदा हो सकता है, लेकिन चिकित्सक के पास जाने के बजाय लक्षणों के आधार पर अपना इलाज खुद करना खतरनाक साबित हो सकता है।

युवाओं में है चलन

सबसे बड़ी समस्या यह है कि इंटरनेट पर अथाह सूचनाएं मौजूद हैं, जो सही भी हो सकती हैं, लेकिन जब हमारी बीमारी का लक्षण किसी दूसरी बीमारी के लक्षणों से मेल खाता है, तब भ्रम की स्थिति उत्पन्न हो जाती है। इसीलिए बीमारी की सही जांच बेहद जरूरी है। कई युवा ऐसे हैं जो अपनी छोटी से छोटी शारीरिक समस्या के समाधान के लिए इंटरनेट से चिपके रहते हैं। 25-40 वर्ष आयु वर्ग के लोग लक्षणों के आधार पर इंटरनेट पर बीमारी का पता लगाने के चक्कर में पड़ रहते हैं, जिसका कोई परिणाम नहीं निकलता, सिवाय वे चिंतित होकर अपने स्वास्थ्य को और बिगाड़ते हैं।

मुफ्त में परेशानी

लोगों को इस बात से सावधान होना चाहिए कि वे ऐसा कर मुफ्त में परेशानी मोल लेते हैं।

छोटी से छोटी बीमारी के लक्षणों को भयंकर बीमारी मानकर वे मानसिक अवसाद की स्थिति में चले जाते हैं, क्योंकि विभिन्न रोगों के लक्षणों में अक्सर समानता होती है। डॉक्टरों के मुताबिक गूगल को चिकित्सक मानने के जाल से लोगों को सावधान रहना चाहिए, क्योंकि इससे कुछ अच्छा होने के बदले आपका बड़ा नुकसान हो सकता है।

डॉक्टर भी गिरफ्त में

भले ही यह बात चौंकाने वाली लगे लेकिन सच है, कि एशिया में 90 फीसदी से अधिक डॉक्टर्स गूगल और इंटरनेट सर्च के आधार पर मरीजों का इलाज कर रहे हैं। एशियाभर में हुए एक अध्ययन में इस बात का खुलासा हुआ है। हालांकि इसें डिजिटल क्रांति कहें या मेडिकल क्षेत्र की बेबसी, लेकिन रेफरेंस ड्यूरिंग ट्रीटमेंट एंड सर्जरी के तहत किए गए एक अध्ययन में इस बात का खुलासा हुआ है। स्टडी में यह बात सामने आई है कि डॉक्टर्स इलाज के दौरान गूगल और इंटरनेट बीमारी का उपाय खोजते हैं।

ब्यूटी स्पॉट को लेकर सावधान...

चेहरे या शरीर के किसी अन्य हिस्से पर दिखने वाले तिल या मस्से हमेशा ब्यूटी स्पॉट नहीं होते। अगर 20 की उम्र के बाद ऐसे तिल या मस्से शरीर के किसी भी हिस्से में निकलते हैं तो उनके प्रति सचेत रहना बेहद जरूरी है, क्योंकि वो खतरे की घंटी हो सकते हैं। इस समस्या के बारे में जानना बेहद जरूरी है। फिल्म अभिनेत्री रेखा के होठों के ऊपर का तिल और रति अग्निहोत्री के चेहरे का तिल अनायास ही लोगों को अपनी ओर आकर्षित करते हैं। यह सच है कि चेहरे के किसी विशिष्ट स्थान का ब्यूटी स्पॉट आकर्षण का केंद्र होता है, लेकिन अगर आपके चेहरे पर अचानक से ही कोई तिल निकल आये तो आपको खुश नहीं होना चाहिए, बल्कि सावधान हो जाना चाहिए।

कब मिले डॉक्टर से

कई बार अचानक ही चेहरे पर तिल और मस्सा निकलने लगता है। अगर जन्म के समय से ही आपके चेहरे पर मस्सा या तिल है तो वह हानिकारक नहीं होता, लेकिन अचानक से ही चेहरे पर बहुत ज्यादा तिल निकलने लगे तो यह खतरे की निशानी हो सकते हैं। जैसे ही आपके चेहरे पर तिल या मस्सा निकले तो आप उसका निरीक्षण करें। अगर उसमें बदलाव होने लगे तो फिर तुरंत ही त्वचा रोग विशेषज्ञ से संपर्क करें। इस बात का पता चल जाने पर कि आपके चेहरे पर निकला ब्यूटी मार्क हानिकारक है, उसे निकाल कर शरीर के दूसरे हिस्सों में होने वाले संक्रमण को रोका जा सकता है।

निगरानी जरूरी

अधिकतर ब्यूटी स्पॉट 20 साल तक की उम्र में निकल जाते हैं, जो आमतौर पर हानिकारक नहीं होते, लेकिन अगर 20 साल के बाद अचानक से ही आपके चेहरे पर ब्यूटी स्पॉट यानी तिल या मस्सा निकले तो उसकी निगरानी जरूरी है। यह जरूरी नहीं कि आपके शरीर पर ब्यूटी स्पॉट खतरे की निशानी ही हो, लेकिन डॉक्टर से संपर्क करना जरूरी है।

कैंसर का कारण तो नहीं

तिल या मस्से को कई बार लोग बिना किसी चेकअप के लेजर तकनीक से हटवा लेते हैं, जो गलत है। तिल या मस्से को हटवाने से पहले जांच करवा लेनी चाहिए, ताकि पता चल सके कि वह कैंसर का कारण तो नहीं। जब चेहरे पर कोई तिल या मस्सा निकलता है तो छोटे आकार में हल्के भूरे रंग का होता है, लेकिन समय के साथ यह अलग आकार और रंग में बदल सकता है। यह बदलाव ब्यूटी स्पॉट के रूपरंग पर निर्भर करता है। जो मोल्स जन्म के समय से ही शरीर पर होते हैं, उन्हें कंजेनिटल मोल्स के तौर पर जाना जाता है। एक प्रतिशत लोग ही ऐसे होते हैं, जिनके शरीर पर जन्म के समय कोई तिल या मस्सा होता है। आगे चल कर यह त्वचा संबंधी समस्या का कारण बन सकता है, लेकिन यह जरूरी नहीं है।

धूप से बचाव जरूरी

जब चेहरे पर एक साथ बहुत सारे तिल या मस्से निकल आएं तो इसे एक्वायर्ड मोल्स के नाम से जाना जाता है। यह बहुत ज्यादा धूप में रहने की वजह से भी हो जाते हैं। इससे बचने के लिए धूप से बचाव जरूरी है। ये खतरनाक नहीं होते। कई बार चेहरे पर असामान्य आकार के स्पॉट नजर आने लगते हैं, जो या तो गहरे भूरे रंग के होते हैं या फिर लाल रंग के। इनका आकार बढ़ता जाता है। अगर आपके चेहरे पर इस तरह के निशान नजर आएं तो डॉक्टर से संपर्क करें।

ये पाबंदियां दिलचस्प हैं...

देश बड़ा हो या छोटा, हर किसी के अपने ही कायदे-कानून है। इन कानूनों को तोड़ने पर सजा का प्रावधान भी है।

कई देशों ऐसे भी हैं जहां कुछ चीजों के इस्तेमाल पर पाबंदी लगाई गई है जो सच में हैरान करने वाली हैं। केवल हमारे ही देश में नहीं बल्कि दुनियाभर में तरह तरह की चीजों पर पाबंदियां हैं। आज हम आपको ऐसी बैन की हुई चीजों के बारे में बताने जा रहे हैं।

माथे पर त्यौरी चढ़ाना

इटली के महानगर मिलान में माथे पर त्यौरी चढ़ाने पर सख्त मनाई है। यहां चेहरे पर हर समय स्माइल होना बहुत ही जरूरी है। केवल अस्पताल और शोक सभा में ऐसा न करने की छूट है। इस नियम को तोड़ने पर जुर्माना लग सकता है।

समोसे पर रोक

सोमालिया में जाकर आप टेस्टी समोसा नहीं खा सकते। यहां पर ट्रैंगल शेप के इस टेस्टी समोसे पर रोक इसलिए क्योंकि इसकी आकृति ईसाइयों के पवित्र ट्रिनिटी जैसी है। इसे पकाने, खाने, खरीदने पर सजा हो सकती है।

जॉगिंग पर पाबंदी

बुरुंडी के राष्ट्रपति ने 2014 को जॉगिंग करने पर यह कह कर रोक लगा दी कि समाज विरोधी गतिविधियां छिपाने के लिए लोग इसका इस्तेमाल कर रहे हैं। यहां तक कि समूह में जॉगिंग करने वाले कई सदस्यों को जेल में भी डाल दिया गया है।

स्पाइकी हेयरकट करने पर रोक

ईरान में बाल खड़े करने पर रोक है। ईरानी युवक इन दिनों लोकप्रिय स्पाइकी हेयर कट यानी की बालों को खड़े करने वाले हेयरस्टाइल के अलावा पोनीटेल और टैटू भी नहीं बनवा सकते हैं। उनका मानना है कि ऐसे हेयरस्टाइल शैतान की पूजा और समलैंगिक व्यवहार को प्रदर्शित करता है।

वीडियो गेम पर पाबंदी

ग्रीस में वर्ष 2002 में सरकार ने गैर कानूनी रूप से जुआ खेलने वालों पर काबू पाने के लिए इलैक्ट्रॉनिक और सॉफ्टवेयर की मदद से खेली जाने वाली गेम पर पाबंदी लगा दी थी, जिसके तहत वीडियो गेम खेलना अवैध है।

फ्लश पर पाबंदी

स्विजरलैंड में किसी भी अपार्टमैंट बिल्डिंग में रात के 10 बजे के बाद टॉयलेट फ्लश करना मना है। वहां की सरकार इसे ध्वनि प्रदूषण मानती है। वैसे यह रोक सच में हैरान करने वाली है।

शुगर स्तर कम करने में मदद करता है जीरा

जीरा न सिर्फ भोजन के स्वाद को बेजोड़ बनाता है बल्कि कई बीमारियों में भी बहुत लाभदायक होता है। डायबिटीक लोगों के लिए जीरा अत्यंत लाभकारी है। यह खून में शुगर स्तर को कम करने में मदद करता है। जीरे में आयरन भरपूर मात्रा में होता है जिससे यह खून की कमी यानी एनीमिया को दुरुस्त करता है और रक्त में हीमोग्लोबिन के स्तर को बढ़ाता है।

यह शरीर में ऑक्सीजन का सभी हिस्सों में पहुंचना सुचारू करता है। दमे के मरीजों को इसके भरपूर लाभ मिलते हैं। इसमें थायमोजयीनॉन नामक एक खास तत्व होता है जो दमे को रोकने बहुत कारगर है। भारतीय पाक कला में मसालों के इस्तेमाल का अलग ही महत्व है। मसाले न सिर्फ स्वाद बढ़ाने का काम करते हैं बल्कि ये

स्वास्थ्य के लिए भी बेजोड़ होते हैं। हमारे खाने में कई पकवान तो इन मसालों के नाम पर ही जाने जाते हैं जैसे ज्यादातर पसंद किया जाने वाला जीरा राइस। सही समझे आप, जीरे में कई तरह के गुण छुपे हुए हैं जिनसे आपकी स्वास्थ्य संबंधी समस्याएं दूर हो सकती हैं। जीरा काला, सफेद और मटमैले रंग में उपलब्ध होता है। जीरे के स्वास्थ्य संबंधी गुण इसे न केवल भारतीय खाने का अहम हिस्सा बनाते हैं बल्कि पुराने समय में यह रोमन, ग्रीक और मिस्त्र संस्कृति का भी खास हिस्सा था। इतना खास कि यह करंसी के तौर पर इस्तेमाल किया जाता था। जीरा शरीर के सभी अंगों के लिए बहुत फायदेमंद है क्योंकि इसकी तासीर गर्म होती है और इसके उपयोग से कई प्रकार के लाभ होते हैं। हमारे शरीर में विभिन्न कारणों से गंदगी आ जाती हैं जिन्हें शरीर पसीने और फुंसियों के रूप में बाहर निकालता है। जीरे का नियमित इस्तेमाल शरीर की शोधन करने की प्रक्रिया को तेज करता है।

नाघोडी गांव में कुत्तों के हमले में घायल हुआ राष्ट्रीय पक्षी मोर, ग्रामीणों ने बचाया

मरुधर विशेष

मुंडावर (रमेशचंद) नीमराना उपखंड के नाघोडी गांव में एक दर्दनाक घटना में कुछ कुत्तों ने राष्ट्रीय पक्षी मोर पर हमला कर उसे घायल कर दिया। गांव के लोगों ने तत्काल कार्रवाई करते हुए कुत्तों से बचाकर घायल मोर को अस्पताल पहुंचाया, जहां उसका इलाज किया गया। डॉ. अरविंद कुमार ने मोर का इलाज किया और उसे दवाएं दीं। इसके बाद मोर को विनोद कुमार सेन, ऋषि सैनी, सुमित सैनी पंछी प्रेमियों द्वारा गौशाला में ले जाकर उसका आगे का इलाज किया गया। ग्रामीण सुरेंद्र कुमार प्रजापत, और मोनू प्रजापत, व गौशाला मेंबर ने घायल मोर को बचाकर अस्पताल ले जाकर उसका इलाज करवाया। ग्रामीणों की तत्परता से मोर की जान बचाई गई। बाद में घायल मोर को फॉरेस्टर अशोक कुमार वन विभाग को सुपुर्द किया गया। अब मोर की देखभाल वन विभाग द्वारा की जाएगी।

गांव ढहरीन में सात दिवसीय श्रीमद् भागवत कथा ज्ञान का कलश यात्रा के साथ हुआ शुभारंभ

मरुधर विशेष

कठूमर(दिनेश लेखी)। उपखंड क्षेत्र के प्रसिद्ध तीर्थस्थल दाँतवाड़ धाम के निकट गांव ढहरीन में रविवार से सात दिवसीय श्रीमद् भागवत कथा ज्ञान यज्ञ का आयोजन चावंड माता के मंदिर पर शुभारंभ हुआ। नवीन कुमार सैनी सीनियर असिस्टेंट ने बताया कि भागवत कथा वाचक बनवारी बापू द्वारा दिनांक 25 मई से 31मई तक किया जाएगा।और पूर्णाहुति एवं भण्डारा 01 जून को किया जाएगा जिसकी कलश यात्रा रविवार को श्री दाँतवाड़ धाम की परिक्रमा करते हुए डीजे के साथ धूमधाम से निकाली गई। कथा वाचक बनवारी बापू दाँतवाड़ धाम वाले इस कथा का आयोजन समस्त ग्रामवासी ढहरीन के द्वारा किया जा रहा है। इस मौके पर रामपुरा पाटन सरपंच हरदयाल सैनी समस्त ग्रामवासी ढहरींन दाँतवाड़ की सैकडे महिलाओं ने कलश यात्रा में भाग लिया।

मिर्जावाली मेर विद्यालय में आयोजित हुआ विधार्थी सम्मान समारोह

मरुधर विशेष

हनुमानगढ़, (प्रभु राम) गांव मिर्जावाली मैर में राजकीय उच्च माध्यमिक विद्यालय के 12 वीं बोर्ड परीक्षाओं में उत्कृष्ट परिणाम लाने पर विद्यार्थियों का सम्मान किया गया इस विद्यालय ने सरकारी स्कूलों की वरियता सूची में ब्लाक स्तर पर प्रथम पांच स्थानों पर कब्जा किया विद्यालय की कृषि संकाय में संतोष पुत्री अमीलाल ने 92.60 प्रतिशत अंक अर्जित कर प्रथम स्थान प्राप्त किया7दुसरे स्थान पर सन्दीप ने 92 प्रतिशत अंक व नवीन कुमार ने 88.60 अंक अर्जित कर तीसरे स्थान प्राप्त किया वहीं छात्र मनीष कुमार पुरुषोत्तम पुष्पा पूजा सरीन प्रतिभा गायत्री अजय रविकांत अमित अरुण निशा ने 82 प्रतिशत से अधिक अंक अर्जित किया बाकी सभी विद्यार्थियों ने प्रथम श्रेणी प्राप्त करते हुए सफलता हासिल की प्रधानाचार्य गोविंद कुमार तनाण ने बताया कि सरकारी विद्यालयों में ब्लाक स्तर पर प्रथम स्थान तक मिर्जावाली मेर के राजकीय विद्यालय ने हासिल किया है विद्यालय द्वारा हर वर्ष ब्लाक स्तर पर शीर्ष स्थान प्राप्त किया जा रहा है जो अपने लिए गौरवान्वित हैंउन्होंने कहा कि गांव में शिक्षा के प्रति नई चेतना और जागरूकता लाने के लिए और ज्यादा से ज्यादा बच्चों को सरकारी स्कूल में एडमिशन करवाने की अपील की बाद में बच्चों और समस्त स्टाफ, व गांव से पधारे गणमान्य नागरिको, व बच्चों के अभिभावकों के साथ गांव में रैली निकाली

गृह राज्य मंत्री ने डीग में निजी कॉलोनी का किया शुभारंभ

मरुधर विशेष

संवाददाता सलीम खान डीग, - गृह, गौपालन, पशुपालन, डेयरी तथा मत्स्य विभाग राज्य मंत्री जवाहर सिंह बेढ़म ने रविवार को डीग के कामां गेट रेलवे फाटक के निकट निजी आवासीय कॉलोनी का शुभारंभ किया।

गृह राज्य मंत्री ने कहा कि डीग जिले में निर्मित सरकारी व निजी कॉलोनी जिले वासियों को सर्वोत्तम आवासीय सुविधा प्रदान करने के लिए एक उत्तम कार्य है। उन्होंने कहा कि मुझे विश्वास है कि यह क्षेत्रीय लोगों के लिए उत्कृष्ट आवासीय स्थान होगा। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार आम लोगों को अपने घर का सपना पूरा करने के लिए निजी व सरकारी रूप में पूर्ण प्रयास कर रही है। उन्होंने कहा कि शहरों में रहने वाले पिछड़े और गरीब लोगों के लिए आवास देना सरकार की सर्वोच्च प्राथमिकता है।

उन्होंने कहा कि राज्य सरकार द्वारा गरीबों का पक्के मकान का सपना पूरा करने के उद्देश्य से प्रारम्भ की गई प्रधानमंत्री आवास योजना (शहरी) के लक्ष्यों की शत-प्रतिशत पूर्ति की जाएगी। गरीबों के कल्याण के लिये बनी आवास योजना का सीधा लाभ गरीबों तक पहुंचना चाहिए। उन्होंने कहा कि पीएम आवास से संबंधित जो भी प्रकरण पोर्टल पर दर्ज है, उनका उचित समाधान किया जाएगा।

विश्व विख्यात पचपदरा का नमक उधोग" पचपदरा झील के नाम से पुकारा जाता है

खारवाल समाज की आराध्य देवी श्री सांभरा आशापुरा माताजी पचपदरा साल्ट का पांच सौ वर्ष से इतिहास जुड़ा हुआ है

मरुधर विशेष

हीराराम सेजू पचपदरा पचपदरा झील - बालोतरा जिले के पचपदरा शहर में एक नमक की झील है । जिसका सोडियम क्लोराइड 98% पर अंकित है । खारवाल समुदाय जो पचपदरा झील से नमक का उत्पादन करता है। यहां सबसे बड़ी गुणवत्ता वाला नमक बनता है। क्योंकि इसमें 98% सोडियम क्लोराइड की मात्रा होती है, इस झील में नमक उत्पादन के लिए मुरली की झाड़ियां का उपयोग करते हैं। खारवाल समाज की आराध्य देवी श्री सांभरा आशापुरा माताजी पचपदरा साल्ट का पांच सौ वर्ष से इतिहास जुड़ा हुआ है । नमक खार के कारण राजपूतों से एक अलग कौम "खारवाल" जाति बनी और माताजी ने इनको नमक का वरदान दिया।जिसको "सफेद चांदी" कहते हैं। इस नमक की विशेषता है कि हवा में उड़ नहीं सकता, बारिश में गल नहीं सकता,आग में जल नहीं सकता और मजे की बात यह है कि आज दिन तक नमक के 32.34 वर्ग किलोमीटर क्षेत्र में कोई चौकीदार या सुरक्षा के लिए कोई व्यक्ति की जरूरत नहीं । नमक तो माताजी का प्रसाद है। खारवाल समाज ने नमक के नाम पर कभी रुपए नहीं लिए। जितना व्यक्ति नमक स्वयं जितना कटा या किसी में उठाकर ले जा सकता है। यदि व्यक्ति व्यापार काज उद्देश्य से ले जाता है तो हम उनसे रुपए लेते हैं। नमक एक ऐसी चीज

है जो राजा,रंक और फकीर सभी को रसोई यानी रोटी और सब्जी दोनों में उपयोग लेनी पड़ती हैं। यह पचपदरा का नमक बिट्रिश काल में महारानी विक्टोरिया की रसोई में काम में लिया जाता था। यह नमक पूर्णतः प्राकृतिक प्रकृति पर आधारित नमक है। यह नमक आयोडीन युक्त ही नमक पहले से है। नमक क्षेत्र चार भागों में विभाजित है:-बड़ा सांभरा , छोटा सांभरा , पोचाली, हीरागढ़- [जिसमें नमक हीरा जैसा निकलता है] पहले अकाल पड़ता था तो कराची, लाहौर दूर-दूर क्षेत्र से लोग यहां आकर अपनी मजदूरी कर पेट भरते थे। क्योंकि दूसरे व्यवसाय कम थे। नमक प्रमुख व्यवसाय में था और उसकी बदौलत ही मारवाड़ क्षेत्र में सबसे पहले रेलगाड़ी पचपदरा साल्ट सेठ गुलाब चन्द जी सालेचा द्वारा लाई गई और रेल विभाग ने मना कर दिया था कि नमक बड़ी तादाद में नहीं है अतः यह घाटे का सौदा है। तो सेठ गुलाब चन्द जी ने अपनी सम्पत्ति रेलवे में गिरवी रख दी। यदि घाटा हो तो इस सम्पत्ति में से वसूल कर देना। परन्तु माताजी की कृपा दृष्टि से नमक दिन दूना रात चौगुना निकलना प्रारम्भ हुआ और रेलवे को फायदा ही फायदा होने लगा। सेठ गुलाब चन्द जी ने रेल ही नहीं बिठूजा से पचपदरा पानी लाने का श्रेय भी आपको ही दिया जाता है।ऐसे निस्वार्थ भाव के व्यक्तित्व सेठ गुलाब चन्द जी सालेचा के सद्कर्मों से पचपदरा की पुण्य भूमि प्रफुल्लित हो गई। क्योंकि इस व्यक्तित्व का जन्मभूमि तो पचपदरा नहीं थी परन्तु कर्मभूमि के लगाव ने सेठजी को मजबूर कर दिया। ऐसे पर उपकारी व्यक्तित्व के धनी को कोटिशः नमन।जब नमक निकालने के लिए धन की जरूरत होती थी तो पचपदरा के ओसवाल समाज के लोग भी पीछे नहीं थे। घर बैठे खारवाल समाज के लोगों को धन नमक निकालने के लिए देते थे और नमक बेचने पर घर बैठे ओसवाल लोगों को पुनः अपना धन

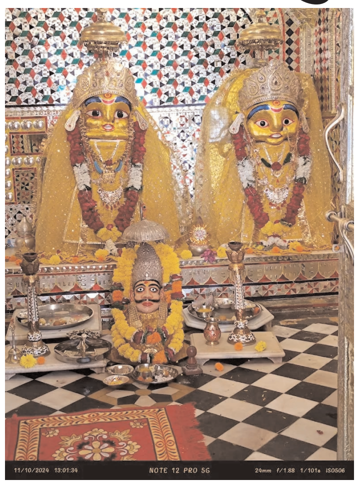

ब्याज सहित देते थे। उस समय में इस प्रकार के लोग खारवाल समाज में और दूसरे समाजों के थे।"अपनायत होती थी कि ये हमारे ही है और हम इनके ही है।"लुंकड परिवार का धन और माताजी के स्वर्णाभूषण, बर्तन, पूजा सामग्री में विशेष योगदान रहा। पहले हिंदी महिने के शुक्ल पक्ष चतुर्दशी तिथि को समस्त साल्ट डिपार्टमेंट एवं साल्ट एरिया में अवकाश रहता था। इस दिन सभी जाति बिरादरी के लोग माताजी के मन्दिर दर्शन करने आते थे और दिन भर मेले जैसा माहौल रहता था । इन सभी सकारात्मक विशेषताओं के कारण "खारवालों को ठाकुर, ठाकर, बन्ना आदि"नामों से पुकारते हैं और"जय माता दी"करते हैं। पचपदरा क्षेत्र के अलावा सम्पूर्ण मारवाड़ क्षेत्र से लोग यहां मजदूरी करने आते थे। इसलिए जान-पहचान भी थीं। परन्तु माताजी के आशीर्वाद से खारवालों की जागिरी सतत् चल रही है और पचपदरा का नमक रेल द्वारा आसाम,त्रिपुरा, नागालैण्ड आदि पहाड़ी क्षेत्रों में भी जाता था। सामान्यत नमक उत्पादन दीपावली से लेकर जून माह तक बरसात नहीं होती। तब तक खानों से नमक निकासी की जाती है। नमक निकालने के लिए मजदूरों की एक पांच व्यक्तियों की टीम होती है। जो पानी में से नमक किनारे तक लाते हैं। जिसको तीण कहते हैं और नमक को निकालकर महिला मजदूर खान के बाहर पिरामिड के रूप में ढेर लगाते हैं। जिसे ओढ़ी वाले कहते हैं। नमक उत्पादन दैनिक मजदूरी एवं ठैके पद्धति दोनों से निकाला जाता है। सामान्यत एक खान में दो व्यक्तियों की हिस्सेदारी है और अधिकतम 8-10 व्यक्तियों तक की भागीदारी है। और एक खान से सामान्यत नमक 2-15 हजार क्विंटल तक उत्पादन होता हैं। वर्तमान में पचपदरा साल्ट में 400 नमक की खानों से उत्पादन होता है । "लुण की खानों की ओर लौटें"और "प्रत्येक हिन्दी माह की शुक्ल पक्ष चतुर्दशी को श्री सांभरा आशापुरा माताजी के मन्दिर पचपदरा साल्ट में मेला लगता है।

अंधड़ और बारिश के बाद भी त्वरित व्यवस्थाओं से सामान्य हुआ जनजीवन, प्रशासन और विभागों ने दिखाई सक्रियता

तेज आंधी, बारिश और ओलों से जनजीवन प्रभावित, पर प्रशासन ने दिखाई चुस्ती

मरुधर विशेष

हनुमानगढ़, (प्रभु राम) शनिवार शाम को जिलेभर में मौसम ने अचानक करवट ली। करीब 60 से 80 किलोमीटर प्रति घंटा की रफ्तार से तेज हवाएं चलीं, जिनके साथ बारिश और छोटे आकार के ओले भी गिरे। जिले के अधिकांश हिस्सों में अंधड़ के चलते कुछ समय के लिए सामान्य जनजीवन प्रभावित हो गया। कई स्थानों पर दीवारें गिरने की घटनाएं हुईं, जिससे कुछ पशुओं – जैसे गाय, भेड़-बकरियों – की मृत्यु की सूचना मिली। हालांकि गनीमत यह रही कि किसी भी तरह की मानवीय क्षति की सूचना नहीं है। मौसम विभाग ने पहले ही अलर्ट जारी किया था। सौभाग्य से अभी बड़े स्तर पर खरीफ फसलों की बुआई का समय नहीं है, इसलिए फसलों का नुकसान अधिक नहीं रहा।

फील्ड में जुटी रहीं व्यवस्थाएं बहाल करने वाली टीमें

जब आम लोग रात करीब 11 बजे के बाद ठंडी हवा का आनंद ले रहे थे, तब बिजली, प्रशासन, पीएचईडी, पीडब्ल्यूडी और सड़क एजेंसियों की फील्ड टीमें चौकन्नी होकर काम में जुटी थीं। कहीं पेड़ गिरे थे तो कहीं बिजली के पोल। अनुमान के मुताबिक 300 से ज्यादा बिजली के पोल टूटे और 20 पोल 33 केवी लाइन सहित कई जीएसएस क्षतिग्रस्त हो गए। बिजली विभाग की टीमों ने रातभर मरम्मत कार्य जारी रखा और

अधिकतर क्षेत्रों में बिजली आपूर्ति फिर से बहाल कर दी गई है।

प्रशासन की सतर्कता ने रोकी दुर्घटनाएं, सड़कों से हटाए गए पेड़ और मलबा

जिले के प्रमुख सड़क मार्गों पर पेड़ों के गिरने से यातायात प्रभावित हुआ, लेकिन प्रशासन के निर्देश पर पीडब्ल्यूडी, नगर परिषद, नगरपालिका और रीडकोर की टीमें तुरंत हरकत में आईं। जेसीबी और अन्य उपकरणों की मदद से रास्ते साफ किए गए और आवागमन को सुरक्षित बनाया गया।

प्रशासन की तत्परता बनी चर्चा का विषय

अचानक आए इस प्राकृतिक संकट में भी जिस तरह से प्रशासन और विभागीय मशीनरी ने समन्वय से काम किया, वह काबिले तारीफ है। जनता को सुरक्षित रखने के साथ-साथ पेयजल, बिजली और यातायात जैसी मूलभूत सेवाओं को रातोंरात बहाल कर दिया गया, जिससे आम जन ने राहत की सांस ली।

नाघोडी गांव में कुत्तों के हमले में घायल हुआ राष्ट्रीय पक्षी मोर, ग्रामीणों ने कुत्तों से बचाकर घायल मोर को उपचार के बाद वन विभाग की टीम को सुपुर्द किया

मरुधर विशेष

नीमराना (सुनील मेघवाल) नीमराना नगर पालिका के नाघोडी गांव में कुछ कुत्तों ने दो राष्ट्रीय पक्षी मोर पर हमला कर उसे घायल कर दिया। शनिवार के रात्रि को तेज अंधड़ के कारण पेड़ से गिरकर मोर घायल हो गए थे। घायल मोर को आवारा कुत्ते शिकार बनाना चाह रहे थे उस दौरान गांव के सामाजिक कार्यकर्ता विनोद सैन एवं अन्य कुछ युवाओं की नजर घायल मोर पर पड़ गई। तुरंत युवाओं ने घायल मोड़ को कुत्तों के चंगुल से छुड़ाकर नजदीक गौशाला ले जाकर इलाज कराया। गौशाला में डॉ.अरविंद कुमार ने मोर का इलाज किया। युवाओं के द्वारा घायल मोर का इलाज कराने के बाद मोर को विनोद कुमार सैन, ऋषि सैनी, सुमित सैनी पक्षी प्रेमियों द्वारा गौशाला से इलाज करा कर नीमराना स्थित वन विभाग की चौकी पर फॉरेस्टर अशोक कुमार को सुपुर्द कर दिया।

माँ अंबे सेवा समिति व अर्चना फाउंडेशन के सहयोग से धौलागढ़ में स्वैच्छिक रक्तदान शिविर का हुआ आयोजन

मरुधर विशेष

कठूमर (दिनेश लेखी)। धौलागढ़ स्थित मीणा धर्मशाला में स्वः सुरेश चंद मीणा प्रधानाचार्य की प्रथम पुण्यतिथि के उपलक्ष में उनकी धर्मपत्नी भागवती देवी उनकी पुत्री तनिष्का खेड़ा ने स्वैच्छिक रक्तदान का आयोजन मां अंबे सेवा समिति मंगोलाकी एवं अर्चना फाउंडेशन के सहयोग से किया गया। इस अवसर पर चमन दास महाराज ने दीप प्रज्वलित कर सुरक्षित रक्तदान शिविर का शुभारंभ किया। ऐसे आयोजन सामाजिक जिम्मेदारी की भावना को बढ़ावा देने और जीवन बचाने में स्वैच्छिक रक्तदान के महत्व के बारे में जागरूकता फैलाने के उद्देश्य से आयोजित किए जाते है। इस अवसर पर शक्ति सिंह मीणा, गौरव जाट एवं तूफान सिंह राजपुत, अशोक मीणा, उदय सिंह मीणा आदि रक्तदाताओं को प्रमाण पत्र स्मृति संस्था द्वारा प्रदान किए गए। इस मौके पर अध्यक्ष डॉ आर पी मीना, उदयसिहं मीना, नंदकिशोर मीणा, सुखराम बंदना, तारेश जोरवाल, प्रकाश रामपुरा, उमेश खेड़ा, अमर सिंह, दीपक बालोत कटहैडा, संतोष जोरवाल, कपिल कावत, प्रिंस मीणा अनेक लोगों मौजूद रहे।

भारतीय जनता पार्टी नगर मंडल भीनमाल के कार्यकर्ताओं ने सुनी मन की बात

मरुधर विशेष

भीनमाल (सतीश सुन्देशा) ।**भारतीय** जनता पार्टी प्रदेश नेतृत्व व जिलाध्यक्ष जसराज राजपुरोहित, जालौर जिला संगठन प्रभारी महेंद्र बोहरा एवं पूर्व विधायक पूराराम चौधरी के निर्देशानुसार भारतीय जनता पार्टी नगर मंडल भीनमाल द्वारा भाजपा भीनमाल नगर अध्यक्ष प्रवीण एम दवे के नेतृत्व में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा प्रसारित कार्यक्रम मन की बात का 122 वां संस्करण कार्यक्रम नीलकंठ महादेव मंदिर प्रांगण में भाजपा कार्यकर्ताओं के साथ सुना ।प्रधानमंत्री मोदी ने कहा कि आज पुरा देश आंतकवाद के खिलाफ एकजुट है आक्रोश से भरा हुआ है संकल्पबद्ध है। आज हर भारतीय का यही संकल्प है

हमे आंतकवाद को खत्म करना ही है ।आपरेशन सिंदूर के दौरान हमारी सैनाओ ने जो पराक्रम दिखाया है उससे हर हिन्दुस्तानी का सिर ऊंचा कर दिया है जिस सटीकता के साथ सीमा पार आंतकवादी ठिकानों को ध्वस्त किया वो अद्भुत है आपरेशन सिंदूर ने दुनियाभर में आंतकवाद के खिलाफ लडाई को नया विश्वास दिया है ।आपरेशन सिंदूर यह एक सिर्फ सैनिय मिशन ही नही बल्कि यह हमारे साहस व बदलते भारत की तस्वीर है ।इस अवसर पर जिलाध्यक्ष जसराज राजपुरोहित, पूर्व विधायक पुराराम चौधरी, महिला मोर्चा जिलाध्यक्ष मंजु सोलंकी ,नगर अध्यक्ष प्रवीण एम

दवे,पूर्व नगर अध्यक्ष महेन्द्र सोलंकी, भाजपा वरिष्ठ शेखर व्यास,,महादेवाराम घांची, विकास सोलंकी,विक्रमसिंह ईराणी,राजा शर्मा, वालाराम घांची, कुलदीप याज्ञी, सुरेश वोरा,भरत महेश्वरी, हकसिंह राव,जानकीदास वैष्णव,मोहन सुथार,हिरलाल चौधरी,क्रिश चौधरी, धनसिंह,चन्दनसिंह सहित कई भाजपा कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

राजस्थान पेंशनर समाज उप शाखा कठूमर की बैठक हुई सम्पन्न इस दौरान 75 से अधिक आयु के वरिष्ठ पेंशनरो का किया सम्मान

मरुधर विशेष

कठूमर (दिनेश लेखी)। कस्बे के लक्ष्मी मैरिज गार्डन जाट धर्मशाला में रविवार को राजस्थान पेंशनर समाज उप शाखा कठूमर द्वारा 75 से अधिक आयु के पेंशनरो सम्मान समारोह आयोजित किया गया। जिसमें अलवर से पेंशनर समाज के जिला अध्यक्ष मधुसूदन, मंत्री बालकृष्ण शर्मा, कार्यालय प्रभारी रमेश चंद्र गुप्ता, कोषाध्यक्ष लक्ष्मण प्रजापत सहित खेरली उप शाखा के अध्यक्ष योगेंद्र सिंह कुशवाहा बैठक मौजूद रहे।

उप शाखा कठूमर अध्यक्ष महेन्द्र सिंह चौधरी ने बताया कि बैठक में 75 वर्ष से अधिक के

सेवानिवृत्ति प्राप्त 18 अग्रज साथियों को शॉल और साफा बंधन करके अभिनंदन किया गया। इस अवसर पर लगभग 100 की संख्या में सेवानिवृत कर्मचारी, अधिकारियो ने अपनी-अपनी समस्याएं रखी। इस मौके पर अलवर जिलाध्यक्ष मधुसूदन ने पेंशनरो के लिए मैडिकल आरजीएचएस तथा अन्य योजनाओं के बारे में जानकारी प्रदान की।

खेरली उप शाखा के अध्यक्ष योगेंद्र सिंह कुशवाहा ने इस शाखा को मजबूत बनाने और विविध सामाजिक सरोकार के कार्यक्रमों को चालू करने का आवाहन किया। इस अवसर पर उप शाखा अध्यक्ष महेंद्र सिंह चौधरी ने सभी आगंतुकों का आभार व्यक्त किया, मंत्री हरीश पराशर ने भी अपने उद्बोधन में सभी के सहयोग और सूचना मिलने पर बैठक में आने का आवाहन किया। इस मौके पर रमन लाल अग्रवाल, झब्बूराम शर्मा, हरिसिहं लेखी, घुग्गल राम, कैलाश जैन, केदार शर्मा, मनीराम, घनश्याम एटीओ, स्वरूप जैन, कैलाश शर्मा, हरिसिहं गौडवाल, ओमप्रकाश अग्रवाल, रामावतार रावत, रामदयाल आदि मौजूद रहे। सभी ने साथ साथ सह भोज किया। मंच संचालन भूमिदत्त शर्मा सेवानिवृत्त शिक्षक द्वारा किया गया।

मरुधरहिंद 24 न्यूज़ प्राइवेट लिमिटेड के लिए महारानी प्रिन्टर्स 17 वैष्णोदेवी नगर कालवाड़ रोड़ जयपुर से मुद्रित,। मो. 9653906665, , (राजस्थान संपादक विशाल यादव 8875020583) (राजस्थान सहसंपादक सुनील कुमार 98878 77947) 7014373732